RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:266 ता. 13 अप्रेल 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

साइबर क्राइम की रैंकिंग में भारत 10वें पायदान पर

-फॉड-क्रेडिट कार्ड डेटा चोरी के मामलों के आधार पर लिस्ट बनी

नई दिल्ली। दुनियाभर के साइबर क्राइम एक्सपर्ट्स की एक नई रिसर्च के मुताबिक भारत साइबर अपराध के मामले में 10वें स्थान पर है। इसमें एडवांस फीस पेमेंट से जुड़ी धोखाधड़ी सबसे आम क्राइम बताया गया। एक्सपर्ट्स ने वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स जारी किया है। इसमें 100 देशों को शामिल किया। टॉप पर रूस, दूसरे नंबर पर यूक्रेन और तीसरे पायदान पर चीन रहा। अमेरिका चौथे स्थान पर रहा। रिपोर्ट में इसमें रैंसमवेयर, क्रेडिट कार्ड चोरी और फॉड समेत अन्य साइबर अपराध की अलग-अलग कैटेगरी के मुताबिक मुख्य हॉटस्पॉट की पहचान की गई।

साइबर क्राइम के मामलों के आधार पर स्कोर दिए गए

वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स में साइबर क्राइम के मामलों के आधार पर स्कोर दिए गए। हालांकि, इसमें मामलों की संख्या नहीं बताई गई। रूस का वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स स्कोर 100 में से 58.39 रहा, यूक्रेन का 36.44 और चीन का 27.86 रहा। भारत का साइबर क्राइम इंडेक्स स्कोर 6.13 रहा। रूस पहले, यूक्रेन दूसरे, चीन तीसरे, अमेरिका चौथे, नाइजीरिया पांचवे, रोमानिया छठे, नॉर्थ कोरिया सातवें, ब्रिटेन आठवें, ब्राजील नौवें और भारत दसवें स्थान पर है।

इंडेक्स जारी करने ग्लोबल सर्वे हुआ

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स के एक्सपर्ट्स ने साइबर क्राइम पर ग्लोबल स्टडी की। इसके आधार पर इंडेक्स तैयार किया गया। स्टडी में पांच मुख्य साइबर अपराध श्रेणियों पर फोकस किया गया। इन एक्सपर्ट्स ने उन देशों की पहचान की जिन्हें वे हर साइबर अपराध श्रेणी का प्राइमरी सोर्स मानते हैं। इसके अलावा उन्होंने हर देश को साइबर क्राइम एक्टिविटी के प्रभाव के आधार पर रैंक किया।

30 साल की तपस्या और समर्पण का परिणाम है राम मंदिर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख ने कहा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण 30 साल की तपस्या और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यहां दत्ताजी भाले स्मृति समिति कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि पूरा देश राम लला की प्रतिमा स्थापित होने से अभिभूत है। भागवत ने कहा, लोगों ने राम मंदिर निर्माण के लिए धन दिया। यह 30 साल के संघर्ष के बाद संभव हो सका। हम 500 सालों से राम जन्मभूमि पर मंदिर चाहते थे। लोग चंदा देने को तैयार थे और पूरा देश मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के समय अभिभूत था।''भागवत ने कहा, कई लोगों की तपस्या और समर्पण से यह प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल में दुनियाभर में भारत का कद बढ़ा है और उसकी धरोहर तथा संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में अच्छे बदलाव लाने का समय आ गया है। भागवत ने कहा, देश की प्रगति और विकास में बहुत परिश्रम लगा है।

हिमाचल प्रदेश में अगले 7 दिन बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

शिमला । हिमाचल प्रदेश में फिर से आफत आने वाली है। प्रदेश में तीन दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इसके बाद हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। अगले सात दिन तक हिमाचल प्रदेश में मौसम खराब रहेगा। शिमला मौसम केंद्र ने अनुसार, हिमाचल में 13 से 18 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। वहीं, 13 से 15 अप्रैल तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, 16, 17 और 18 अप्रैल को भी बारिश के आसार है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने आंधी तूफान की भी चेतावनी दी है और कहा कि 40-50 किमी की तफ्तार से प्रदेश में तूफान आएगा। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को धूप खिली हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने कहा कि स्थानीय वजह की वजह से मौसम नहीं बदलेगा। बल्कि, हवाओं और मौसम की वैश्विक प्रणाली में ही बदलाव देखने को मिल रहे है। जलवायु परिवर्तन इसका एक मुख्य कारण है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में ऊना जिले में सबसे अधिक पारा है। हालांकि, शिमला और मनाली में अब भी मौसम ठंडा है। हालांकि, यहां पर धूप खिल रही है। इसके बाद मैदानों में गर्मी बढ़ने के चलते टूरिस्ट हिमाचल का रुख कर रहे हैं। शिमला और मनाली में टूरिस्ट की संख्या में इजाफा हुआ है। मनाली में अटल टनल और लाहौल घाटी में अब भी पहाड़ों पर बर्फ मौजूद है और टूरिस्ट यहां पहुंच रहे हैं। उधर, रोहतांग मार्ग पर गुलाबा बैरियर तक टूरिस्ट को जानी की अनुमति दी गई है।

जम्मू के उधमपुर में रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा-

दशकों बाद ये पहला चुनाव जिसमें आतंकवाद-अलगाववाद, पत्थरबाजी या बंद मुद्दा नहीं

जम्मू-कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा मिलेगा

उधमपुर । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में रैली की। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह समय दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव होंगे। इसे वापस राज्य का दर्जा मिलेगा। आप अपने विधायक-मंत्रियों से अपने सपने साझा कर सकेंगे। जम्मू-कश्मीर में दशकों बाद यह पहला चुनाव है, जब आतंकवाद, अलगाववाद, पत्थरबाजी, सीमा पार से गोलीबारी जैसे मुद्दे नहीं हैं। माता वैष्णो देवी यात्रा हो या अमरनाथ यात्रा, ये सुरक्षित तरीके से कैसे हों इसको लेकर पहले चिंता होती थी। आज स्थिति बदल गई है। आज यहां विकास भी हो रहा है और विश्वास भी बढ़ रहा है। यहां चप्पे-चप्पे पर एक ही गूंज सुनाई दे रही है- फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी जनसभा में राहुल गांधी और लालू परिवार पर बिना नाम लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग सावन के महीने में मटन बनाते हैं, इसका वीडियो भी बनाते हैं और जारी करते हैं। देश का कानून किसी को भी कुछ भी खाने से नहीं रोकता, ना ही ये मोदी किसी को नहीं रोकता है। ये लोग वीडियो जारी कर देश के लोगों को चिढ़ाते हैं। ये लोग सावन के महीने में वीडियो दिखाकर, मुगल मानसिकता के द्वारा लोगों को चिढ़ाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि आज आपके आशीर्वाद से मोदी ने वो गारंटी पूरी कर दी है। दशकों बाद ये पहला चुनाव है, जब आतंकवाद, अलगाववाद, पत्थरबाजी, बंद, हड़ताल, सीमा पार से गोलीबारी, ये चुनाव के मुद्दे ही नहीं हैं। तब माता वैष्णो देवी यात्रा हों या अमरनाथ यात्रा, ये सुरक्षित तरीके से कैसे हों इसको लेकर ही चिंता होती थी। आज स्थिति एकदम बदल गई है। आज जम्मू कश्मीर में विकास भी हो रहा है और विश्वास भी बढ़ रहा है। इसलिए आज जम्मू कश्मीर के चप्पे-चप्पे से एक ही गूंज सुनाई दे रही है- फिर एक बार मोदी सरकार। ये चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि ये चुनाव देश में एक मजबूत सरकार बनाने का चुनाव है। और सरकार जब मजबूत होती है, तो जमीन पर चुनौतियों के बीच भी, चुनौतियों को चुनौती देते हुए काम करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि मैं उधमपुर पिछले कई दशकों से आ रहा हूं। जम्मू-कश्मीर की धरती पर मेरा आना जाना पिछले 5 दशक से चल रहा है।

मुझे याद है 1992 में एकता यात्रा के दौरान यहां आपने भव्य स्वागत और सम्मान किया था। आप भी जानते हैं कि तब हमारा मिशन लाल चौक पर तिरंगा फहराने का था, तब यहां माताओं-बहनों ने बहुत आशीर्वाद दिया था। 2014 में माता वैष्णो देवी के दर्शन करके आया था और इसी मैदान पर मैंने आपको गारंटी दी थी कि जम्मू कश्मीर की अनेक पीढ़ियों ने जो कुछ सहा है, उससे मुक्ति दिलाऊंगा।

जम्मू-कश्मीर 10 साल के अंदर पूरी तरह से बदला

10 साल के अंदर-अंदर जम्मू कश्मीर पूरी तरह बदल चुका है। सडक़, बिजली, पानी, यात्रा, प्रवास ये सब तो है ही, लेकिन सबसे बड़ी बात है, जम्मू कश्मीर का मन बदला है। निराशा से आशा की ओर बढ़े हैं, जीवन पूरी तरह विश्वास से भरा हुआ है। 10 साल में हमने आतंकवादियों और भ्रष्टाचारियों पर घेरा बहुत कसा है। अब आने 5 सालों में इस क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाना है। राम मंदिर का संघर्ष 500 साल पुराना कांग्रेस कहती है कि राम मंदिर भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा है। राम मंदिर न चुनाव का मुद्दा था, न है और न होगा। राम मंदिर का संघर्ष तो तब से हो रहा था, जब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। राम मंदिर का संघर्ष तो 500 साल पुराना है, जब चुनाव का कोई नामोनिशान नहीं था।

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में चुनावी सभा में राहुल बोले

भारत में विचारधारा की लड़ाई

-एक तरफ न्याय, स्वतंत्रता और समानता, दूसरी तरफ आरएसएस, पीएम मोदी और उनकी सरकार

तिरुनेलवेली । (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में चुनावी सभा की। राहुल ने इस दौरान कहा कि भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ न्याय, स्वतंत्रता और समानता है। दूसरी तरफ आरएसएस, पीएम मोदी और उनकी सरकार है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि आज केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई और आईटी का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। प्रधानमंत्री खुद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं। चुनाव से दो महीने पहले कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाते हैं। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है। विपक्षी नेताओं को धमकी दी जा रही है। राहुल ने कहा कि भारत में कई भाषाएं, संस्कृति और इतिहास है। हमारे लिए सब बराबर और जरूरी है। हालांकि, मोदी कहते हैं कि एक देश, एक नेता और एक भाषा होनी चाहिए। तमिल भाषा किसी भी दूसरी भाषा से कम नहीं है। मैं जब भी भारत को समझने की कोशिश करता हूं तो यहां के महान कवियों को पढ़ता हूं।

ईडी ब्लॉक के पक्ष में लोकसभा के नतीजे

दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक के कलबुर्गी में अपने दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि के समर्थन में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने कहा- लोकसभा चुनाव का प्रवाह इंडिया ब्लॉक के पक्ष में है। मोदी इससे डर गए हैं।

इसलिए वे बड़े पैमाने पर रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। खड़गे ने कहा कि मोदी ने देश को लोगों को 15-15 लाख देने के वादे किए थे। करोड़ नौकरियां और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने के वादे किए थे। वे अयोध्या में राम की मूर्ति की शपथ लेकर बताएं कि उन्होंने कितने वादे पूरे किए। पीएम भगवान का नाम जपते हैं और गरीब लोगों को महंगाई से कुचल देते हैं। आज गरीब लोग जिंदा हैं, तो कांग्रेस की मनरेगा योजना और कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की पांच गारंटियों के कारण जिंदा है।

मप्र समेत 14 राज्यों में बारिश की संभावना

-39 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट

नई दिल्ली । (एजेंसी)

मप्र समेत 14 राज्यों में मौसम विभाग ने आज बारिश की संभावना जताई है। इसमें मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार द्वीप शामिल हैं। मप्र में नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर और छिंदवाड़ा समेत 36 जिलों में कहीं आंधी-बारिश तो कहीं ओले का रेड अलर्ट है। उत्तर प्रदेश में 13 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बिहार में आज 9 जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, अगले दो दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी और बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कई राज्यों में हीटवेव का कहर

एक तरफ जहां देश में बारिश के दौर से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, कुछ इलाके ऐसे भी है जहां तेज गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में हीटवेव की भविष्यवाणी की है। मध्य महाराष्ट्र, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु के कुछ जिलों में तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया।

राहुल गांधी वायनाड में जाकर अमेठी को गालियां देते हैं: स्मृति ईरानी

अमेठी । (एजेंसी)

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक बार फिर अमेठी से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि सभी ने नाम बदलते, गांव बदलते सुना है, लेकिन परिवार बदलते किसी ने नहीं सुना। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड में कहा कि वायनाड उनका परिवार है और वहां के लोग वफादार हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि 15 साल तक जहां के वह (राहुल) सांसद रहे उस अमेठी के लोग वफादार नहीं हैं। वह वायनाड में जाकर अमेठी को गालियां देते हैं। ऐसे लोगों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए इस बार अमेठी का मतदाता तैयार है।

शुक्रवार को यहां अपने आवास पर यादव बिरादरी के लोगों से मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांधी खानदान खासकर राहुल गांधी चाहते थे कि अमेठी में लोग गरीब बने रहें, इसीलिए जब कोई गरीब का बेटा भारत का प्रधान सेवक बनता है उसे ये पचा नहीं पाते। उन्होंने कहा कि गरीबी झेलकर अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के बल पर आप सभी के आशीर्वाद से देश के प्रधान सेवक बने नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस या गांधी खानदान पचा नहीं पा रहा है। केन्द्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी के 15 साल बनाम मेरे पांच साल को देखा जाए तो दिखाई पड़ता है कि गांधी खानदान ने किस तरीके से अमेठी की उपेक्षा की। अमेठी में उन्होंने जो 50 साल में नहीं किया, राहुल गांधी ने जो 15 साल में नहीं किया उसे डबल इंजन की सरकार ने पांच साल में करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आप सभी ने कभी अमेठी में ऐसा सांसद नहीं देखा होगा जो गांव में खड़े होकर नालियों की साफ सफाई कराए। लेकिन आप सब ने मुझे बहन माना तो मैंने बहन का फर्ज निभाया। ईरानी ने कहा कि जब राहुल गांधी को छींक आती थी तो वह इलाज के लिए विदेश भाग कर जाते थे, लेकिन अमेठी के लोगों के लिए एक मेडिकल कॉलेज नहीं बनवाया और अमेठी में मेडिकल कॉलेज तब बना जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी।

रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को दिया 65000 करोड़ का टेंडर

एयरफोर्स को मिलेंगे 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमान

नई दिल्ली । रक्षा मामलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय देश में निर्मित 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद करने वाला है। इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 65,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत का टेंडर जारी किया है। आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भारत सरकार की ओर से स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। मिनिस्ट्री की ओर से हाल ही में एचएएल को टेंडर जारी किया और उसे इसका जवाब देने के लिए 3 महीने का समय दिया है। अधिकारियों ने बताया कि इससे भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे विमानों का रिप्लेसमेंट मिल जाएगा। फिलहाल इन विमानों को धीरे-धीरे हटाया जा रहा है, निकट भविष्य में इन्हें पूरी तरह से हटा दिया जाएगा।

हवा से हवा में ईंधन भरने में सक्षम

अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्रालय और वायुसेना मुख्यालय द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी लड़ाकू विमान को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश भर में रक्षा व्यवसाय में लगे छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़ा व्यवसाय देने के लिए ऐसा कदम उठाया जा रहा है। पीएम मोदी भी एचएएल को मजबूत करने पर काफी जोर दे रहे हैं। सरकार ने इस कंपनी को सभी प्रकार के स्वदेशी लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों के साथ-साथ उनके लिए इंजन बनाने का ऑर्डर दिया है। पीएम मोदी ने खुद स्वदेशी लड़ाकू विमान के ट्रेनर वैरिएंट में उड़ान भरी थी, जो किसी भी लड़ाकू विमान में भारत के प्रधानमंत्री की ओर से पहली बार उड़ान थी। 97 और एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट हासिल करने की योजना की घोषणा सबसे पहले वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने स्पेन की विदेशी धरती पर की थी, जब उन्होंने एएनआई को स्वदेशी लड़ाकू विमान ऑर्डर को बढ़ावा देने की मेगा योजनाओं के बारे में बताया था।

हो सकता है कि मैं एक-दो बार इधर-उधर गया हूं, लेकिन अब मैं हमेशा के लिए लौट आया हूं - जनता से बोले नीतीश कुमार

नवादा । (एजेंसी)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता से कहा कि हो सकता है कि मैं एक-दो बार इधर-उधर गया हूं।

लेकिन अब मैं हमेशा के लिए लौट आया हूं। उन्होंने लोगों से भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को वोट देने का आग्रह करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार से बहुत अधिक सहयोग मिल रहा है। जनता दल प्रमुख (जदयू) प्रमुख कुमार ने नवादा में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं लंबे समय से भाजपा के साथ हूं। हमने 2005 में बिहार में एकसाथ मिलकर सरकार बनाई थी।

मुख्यमंत्री पटना से 'निश्चय रथ नामक एक बस पर सवार होकर नवादा सीट से भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे थे। इस बस पर जदयू के नारे और चुनाव चिन्ह चित्रित किये गये थे। 'निश्चय रथ नाम उन सात निश्चय को दर्शाने का प्रयास है जो विधानसभा चुनाव के दौरान नीतीश के घोषणापत्र में शामिल थे। उन्होंने कहा, ''हमारे सत्ता संभालने से पहले बिहार में क्या था? बुनियादी ढांचा अस्त-व्यस्त था।

सत्ता संभालने के बाद चीजें बेहतर होने लगीं। अब हमें केंद्र सरकार का बहुत अधिक सहयोग मिल रहा है। इसलिए मैं आप सभी से राजग के लिए वोट करने का आग्रह कर रहा हूं। हमेशा खुद को एक 'धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में पेश करने वाले नीतीश कुमार ने कहा, ''जब तक हम सत्ता में नहीं आए और चीजों को व्यवस्थित नहीं किया, तब तक बिहार में बहुत सारे हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए मेरे कार्यकाल में बहुत कुछ किया गया। मुझे उम्मीद है कि मेरे कार्यकाल के दौरान किया गया यह सबकुछ सिर्फ इसलिए नहीं भुला दिया जाएगा कि मैं फिर से भाजपा के साथ हूं।

लालू प्रसाद पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए जदयू प्रमुख ने कहा कि कोई भी उनके परिवार के करीबी सदस्यों के नाम तक नहीं जानता।

जदयू प्रमुख ने राजद अध्यक्ष के बेटों पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और उनकी बेटियों (मीसा भारती और रोहिणी आचार्य, जो क्रमशः पाटलिपुत्र और सारण से राजद उम्मीदवार हैं) की ओर इशारा करते हुए कहा, ''जरा देखें कि परिवार के कितने सदस्यों ने सत्ता का आनंद लिया है और कितनों को टिकट मिला है। राजद प्रमुख और उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहा, ''वे सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं। दूसरी ओर, कोई भी मुझ पर मुख्यमंत्री के रूप में अपने 18 वर्षों में गलत तरीके से एक पैसा कमाने का आरोप नहीं लगा सकता है।

तलाक के बाद पत्नी को देना होगा बीमार पति को गुजारा भत्ता, बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश

- कल्याण कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक याचिका पर फैसला सुनाया है कि जिस तरह पत्नी तलाक के बाद अपने पति से गुजारा भत्ता मांगती है, उसी तरह पति को भी अपनी पत्नी से गुजारा भत्ता मांगने का अधिकार है। यदि पति बीमारी या किसी अन्य कारण से बेरोजगार है, तो वह तलाक के दौरान अपनी पत्नी से गुजारा भत्ता मांग सकता है। कोर्ट ने कहा कि पति को भी यह कानूनी अधिकार है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई से सटे कल्याण में एक तलाकशुदा पति को प्रत्येक महीने पत्नी से 10,000 रुपये का गुजारा भत्ता देने की मंजूरी दी है। दरअसल कल्याण सहदिवानी न्यायधीश ने 13 मार्च 2020 को पत्नी को यह आदेश सुनाया. इस फैसले को पत्नी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी. न्यायाधीश शर्मिला देशमुख ने पत्नी की ओर से बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर चुनौती याचिका को खारिज कर दिया है. बताया गया है कि आपसी मतभेद के चलते पति ने तलाक लेने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने कल्याण न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. तलाक की अर्जी दाखिल करने के बाद पत्नी ने भरण-पोषण की अर्जी दाखिल की। इस दौरान पति ने भी पत्नी से गुजारा भत्ता पाने के लिए अर्जी दाखिल की. चूँकि महिला के पति बीमार और बेरोजगार हैं, इसलिए उनका आवेदन स्वीकार कर लिया गया। कल्याण कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाते हुए कहा कि पति बीमार है और बेरोजगार भी है. इसलिए पत्नी को पति को गुजारा भत्ता देना चाहिए। अंतरिम गुजारा भत्ता 10 हजार रुपये प्रति माह की दर से तय किया गया. अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी पति के पक्ष में यह फैसला बरकरार रखा है.

अखिलेश यादव से मिले आप सांसद संजय सिंह, बोले-लोगों को डराकर भाजपा में शामिल किया रहा

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। मुलाकात के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को डराकर अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। भाजपा देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में इंडिया गठबंधन भाजपा को कड़ी टक्कर देगा। लखनऊ पहुंचने से पूर्व आप नेता संजय सिंह अपनी पत्नी अनीता के साथ बाराबंकी की मशहूर कौमी एकता के मजार देवा शरीफ दर्शन करने पहुंचे। यहां उन्होंने पत्नी के साथ सूफी संत हाजी वारिस अली शाह के मजार पर चादर चढ़ाई और दुआ मांगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हाजी वारिस अली शाह से मेरी पुरानी श्रद्धा है। मेरे पिता भी यहां दर्शन के लिए कई बार आ चुके हैं। यह देश की एक ऐसी दरगाह है जो दुनिया को इंसानियत का पैगाम देती है।

हिमाचल प्रदेश में अगले 7 दिन बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

शिमला । हिमाचल प्रदेश में फिर से आफत आने वाली है। प्रदेश में तीन दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इसके बाद हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। अगले सात दिन तक हिमाचल प्रदेश में मौसम खराब रहेगा। शिमला मौसम केंद्र ने अनुसार, हिमाचल में 13 से 18 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। वहीं, 13 से 15 अप्रैल तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, 16, 17 और 18 अप्रैल को भी बारिश के आसार है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने आंधी तूफान की भी चेतावनी दी है और कहा कि 40-50 किमी की तफ्तार से प्रदेश में तूफान आएगा। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को धूप खिली हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने कहा कि स्थानीय वजह की वजह से मौसम नहीं बदलेगा। बल्कि, हवाओं और मौसम की वैश्विक प्रणाली में ही बदलाव देखने को मिल रहे है। जलवायु परिवर्तन इसका एक मुख्य कारण है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में ऊना जिले में सबसे अधिक पारा है। हालांकि, शिमला और मनाली में अब भी मौसम ठंडा है। हालांकि, यहां पर धूप खिल रही है। इसके बाद मैदानों में गर्मी बढ़ने के चलते टूरिस्ट हिमाचल का रुख कर रहे हैं। शिमला और मनाली में टूरिस्ट की संख्या में इजाफा हुआ है। मनाली में अटल टनल और लाहौल घाटी में अब भी पहाड़ों पर बर्फ मौजूद है और टूरिस्ट यहां पहुंच रहे हैं। उधर, रोहतांग मार्ग पर गुलाबा बैरियर तक टूरिस्ट को जानी की अनुमति दी गई है।

गुरु ग्रंथ साहिब को ढाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकते प्रदर्शनकारी : कोर्ट

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सिख धर्म की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रंथ साहिब को लेकर अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सिख धर्म की पवित्र पुस्तक का इस्तेमाल ढाल के तौर पर नहीं कर सकते हैं। सिख कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर गुरु ग्रंथ साहिब का दुरुपयोग करने वाले प्रदर्शनकारियों को कोई छूट नहीं मिलेगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और जस्टिस लपीता बनर्जी की खंडपीठ ने यह कहा। उन्होंने कहा, कई अवसरों के बावजूद, न पंजाब सरकार और न ही केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ धरना-प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा है। खासतौर से मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर इससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि कुछ लोग प्रदर्शन स्थल पर गुरु ग्रंथ साहिब रखे हुए थे, यह पंजाब सरकार के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई न करने का कोई कारण नहीं बनता। अदालत ने कहा, केवल यह तथ्य कि कुछ प्रदर्शनकारी गुरु ग्रंथ साहिब को ढाल के तौर पर रखकर पीछे छिप रहे हैं, यह राज्य को उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई न करने का कोई कारण नहीं होता। खासतौर से जो धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग कर रहे हों। कोर्ट की ओर से यह कहा गया कि मुट्ठी भर लोग बैठे हुए हैं। इससे सड़क अवरुद्ध होने के कारण ट्राई-सिटी (चंडीगढ़, मोहाली और पंचकुला) के यात्रियों और निवासियों को असुविधा हो रही है। प्रदर्शनकारियों को हटाने की मांग को लेकर पिछले साल एक एनजीओ (अराइव सेफ सोसायटी) ने याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की। याचिका में कहा गया कि धरने की वजह से मोहाली और चंडीगढ़ के बीच यात्रा करने वालों को काफी असुविधा हो रही है।

चीन के करीब गर्जरी.....भारत में बनी ये एंटी-टैंक मिसाइल

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सिक्किम में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर एंटी-टैंक मिसाइल का सफल ट्रायल किया। ये फायरिंग चीनी सीमा के एकदम पास की गई। सेना ने इसका वीडियो भी जारी किया है। कॉनकर्स एम एंटी टैंक मिसाइल को लाइसेंस के तहत बीडीएल कंपनी देश में बनाती है। इसकी डील रूस के साथ हुई है। यह एक मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। यह किसी भी टैंक या बख्तरबंद वाहन को उड़ा सकती है। इस मिसाइल में एक्सप्लोसिव रिएक्टिव ऑर्मर तकनीक लगी है, जो किसी भी मजबूत टैंक को सेकेंड्स में ध्वस्त करने की क्षमता रखती है। यह मिसाइल जमीन पर स्टैंड लगाकर या बीएमपी वाहन से भी लांच सकती है। इसकी रेंज 75 से 4000 मीटर है। यह चार किलोमीटर की दूरी मात्र 19 सेकेंड में पूरी करती है। यानी दुश्मन के टैंक के पास बचने के लिए समय नहीं होता। इसके पांच वर्जन दुनिया भर में मौजूद हैं। दो का इस्तेमाल दो दर्जन से ज्यादा देशों में किया जा रहा है। इसका वजन करीब 14.6 किलोग्राम है। लांच पोस्ट के साथ वजन 22.5 किलोग्राम है। लंबाई 45 इंच और व्यास 5.3 इंच है। इसका वॉरहेड यानी हथियार जिसे 9एन131 हीट कहते हैं, वह 2.7 किलोग्राम का होता है। यह हथियार टैंक से छूते ही फट जाता है। इसकी अधिकतम गति 680 फीट प्रति सेकेंड है। इसका इंजन सॉलिड फ्यूल रॉकेट होता है। आमतौर पर इसकी रेंज 75 मीटर से लेकर 4 किलोमीटर होती है।

आईएमडी ने दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 27 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी ने दिल्ली में दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 27 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। इसके साथ ही दिन में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने यह जानकारी दी कि अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

कांग्रेस के शासन में भगवान गणेश की मूर्ति भी चीन से आती थी: नड्डा

चेन्नई। (एजेंसी)। सीधी (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि बीते 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। कांग्रेस के शासन काल में प्रभु गणेश जी की प्रतिमा तक चीन से आती थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्रवार को मध्य प्रदेश के प्रवास पर हैं। उन्होंने सीधी संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार डॉ राजेश मिश्रा के समर्थन में कहा, कांग्रेस पहले राजनीति भाई को भाई से लड़ने के लिए करती थी, मगर प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की परिभाषा ही बदल दी।

नड्डा ने कहा, वर्तमान में ऑटोमोबाइल बाजार में भारत ने जापान को पछाड़ दिया है, भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन है। हम तीसरे नंबर पर हैं। 10 साल पहले हर मोबाइल पर लिखा होता था मेड इन चाईना, अब मोबाइल पर लिखा हुआ है मेड इन इंडिया। यह फर्क है। इतना ही नहीं दुनिया में सस्ती और असरदार दवा भारत के उद्योगपति बना रहे हैं। कांग्रेस शासनकाल में हालत यह थी कि 10 साल पहले गणेश जी की मूर्ति भी चीन से आती थी। दिवाली के समय जो गणेश जी खरीदते थे, वह भी चीन से आते थे और यह खिलौने चीन से आते थे। आज भारत खिलौने के निर्यात के मामले में ढाई गुना वृद्धि कर गया है। गांधी परिवार पर हमला करते हुए नड्डा ने कहा, दिल्ली में बैठे हुए परिवार के लोग चाहे माताजी हों, बेटा हो, बेटी हो, इन्हें क्या समझ में आएगा। भारत का मूड क्या है और भारत ने किस तरह से मन बना लिया है। मुझे याद है चार महीने पहले जब मैं चुनाव प्रचार करने रीवा आया था, उस समय मुझे साफ दिखता था कि एमपी के मन में मोदी है और मोदी के मन में एमपी और आज भी मुझे दिख रहा है एमपी के मन और देश के मन में मोदी और मोदी के मन में देश और मध्य प्रदेश है। नडडा ने कहा कि पहले राजनीति होती थी लोगों को बांट कर, कांग्रेस ने लंबे समय तक भाई को भाई से बांटा। नदी के इस पार उस पार, अगड़ा-पिछड़ा, बिरादरी और वोट बैंक की पॉलिटिक्स की और उसके बाद सबका वोट लिया और वोट लेने के बाद सरकार किसी जाति की बन गई, वर्ग की बन गई, किसी समुदाय की बन गई। वह सभी की सरकार नहीं थी, लेकिन पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में राजनीति की परिभाषा बदल दी। अब राजनीति होगी वह विकास की राजनीति होगी और रिपोर्ट कार्ड की राजनीति होगी।

दिल्ली से चुनाव लड़ सकते हैं कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियां अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर रही हैं। इसी बीच जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार के दिल्ली से चुनाव लड़ने की अटकलें काफी तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस कन्हैया कुमार को इस लोकसभा चुनाव में दिल्ली में उतार सकती है। सूत्रों के अनुसार बुधवार को पार्टी के आलाकमान ने दिल्ली और हरियाणा के प्रभारी दीपक बाबरिया और दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली और कन्हैया कुमार के साथ एक बैठक की थी। जिसमें कन्हैया कुमार ने दिल्ली से चुनाव लड़ने पर जोर दिया है। सूत्रों की मानें तो कन्हैया कुमार बस दिल्ली से चुनाव लड़ना चाहते है चाहे वो कोई भी सीट हो। बता दें कि कन्हैया कुमार की चुनाव लड़ने को लेकर आज एक और बैठक होगी। जिसमें पार्टी के आलाकमान शामिल होंगे। आज होने वाली बैठक में कन्हैया कुमार के साथ ही कुछ अन्य राज्यों की सीटों के उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा होगी। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप के बीच दिल्ली में सीटों का बंटवारा हुआ है। जिसमें 7 सीटों में से आप को 4 सीटें मिली हैं जबकि कांग्रेस के पास तीन सीटें हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास दिल्ली की उत्तर पश्चिम, उत्तर पूर्व और चांदनी चौक की सीट है। ऐसे में अब देखना होगा कि कांग्रेस कन्हैया कुमार को कौन सी सीट देती है हालांकि कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि दिल्ली कांग्रेस के साथ ही स्क्रीनिंग कमेटी के कुछ नेताओं ने संभावित ध्रुवीकरण का हवाला देते हुए कन्हैया कुमार को चुनाव में उतारने पर आपत्ति जताई है। हालांकि पार्टी के आलाकमान का ही निर्णय आखिरी होगा। कन्हैया कुमार को दिल्ली की सीट से चुनाव में उतारने की अटकलों के बीच कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि कन्हैया कुमार के चुनाव मैदान में उतारने से पार्टी को फायदा होगा। दरअसल कन्हैया कुमार शहर में बसे पूर्वांचल के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बैठा सकते है जो पार्टी के लिए काफी अच्छा साबित होगा। साल 2019 की तरह इस बार भी चुनाव 7 चरणों में हो रहे हैं। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं दिल्ली में 25 मई को छठे चरण में वोटिंग होगी। दिल्ली में एक ही दिन में सातों सीटों पर मतदान होंगे।

यूपी से पहले व्यापारी, अब गुंडे कर रहे पलायन: अमित शाह

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न लोकसभा सीटों पर चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पश्चिमी यूपी में पहले डर का माहौल था। कारोबारी अपनी जमीन, दुकान और मकान छोड़कर पलायन करने को मजबूर थे। अब योगी सरकार में यहां से गुंडे और माफिया पलायन कर रहे हैं। व्यापारी अपना व्यापार कर रहे हैं और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में दंगे, गो तस्करी और गुंडों का राज चलता था। अब यहां डर, दंगे, गो तस्करी की जगह वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट का काम शुरू हो गया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश से व्यापारी पलायन कर रहा था। कैराना से हिंदू पलायन कर रहा था।

अपने सम्बोधन में भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि आपने सपा को हटाया तो अब यहां से व्यापारी और हिंदू, कमजोर की जगह गुंडे पलायन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था को चाक चौबंद करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 500 साल बाद इस रामनवमी पर रामलला अपना जन्मदिन टेंट के बजाय अपने भव्य मंदिर में मनाएंगे। कांग्रेस से साथ सपा और बसपा राम मंदिर का विरोध करते रहे। मोदी सरकार में राम मंदिर को तैयार करवाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि 2014 और 2019 में मोदी के पीएम बनने का सबसे बड़ा कारण उत्तर प्रदेश था। उत्तर प्रदेश ने 2014 में 73 सीटें और 2019 में 65 सीटें दीं और इसलिए पीएम मोदी बन गए। इस बार यूपी की 80 सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया। तीसरी बार मोदी पीएम बनेंगे तो तीसरे नंबर पर पहुंचा देंगे। मोदी ने एक लाख गरीब बहनों को लखपति बनाया है। कहा किया विपक्षी हमारा और राम मंदिर का विरोध करते रहे। राम मंदिर का निर्माण के बाद प्राण प्रतिष्ठा का विपक्षियों को निमंत्रण दिया गया। इसके बाद भी वह इस आयोजन में सम्मिलित भी नहीं हुए। उनको अपने वोट बैंक का डर सता रहा था। उन्होंने कहा कि सालों तक मंदिर को बने नहीं दिया गया। उनमें इतनी हिम्मत भी नहीं थी कि प्राण प्रतिष्ठा के वक्त वह वहां मौजूद रह सकें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सिर्फ राम मंदिर ही नहीं, बाबा विश्वनाथ का दरबार भी सजाया गया। इसके अलावा बदरीनाथ और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण भी करवाया गया। सोमनाथ का मंदिर बनाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में 10 साल के अंदर आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त किया गया। उन्होंने कहा कि 10 साल तक कांग्रेस पार्टी की सरकार थी।

राहुल गांधी वायनाड में जाकर अमेठी को गालियां देते हैं: स्मृति ईरानी

अमेठी (एजेंसी)। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक बार फिर अमेठी से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि सभी ने नाम बदलते, गांव बदलते सुना है, लेकिन परिवार बदलते किसी ने नहीं सुना। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड में कहा कि वायनाड उनका परिवार है और वहां के लोग वफादार हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि 15 साल तक जहां के वह (राहुल) सांसद रहे उस अमेठी के लोग वफादार नहीं हैं। वह वायनाड में जाकर अमेठी को गालियां देते हैं। ऐसे लोगों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए इस बार अमेठी का मतदाता तैयार है।

शुक्रवार को यहां अपने आवास पर यादव बिरादरी के लोगों से मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांधी खानदान खासकर राहुल गांधी चाहते थे कि अमेठी में लोग गरीब बने रहें, इसीलिए जब कोई गरीब का बेटा भारत का प्रधान सेवक बनता है उसे ये पचा नहीं पाते। उन्होंने कहा कि गरीबी झेलकर अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के बल पर आप सभी के आशीर्वाद से देश के प्रधान सेवक बने नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस या गांधी खानदान पचा नहीं पा रहा है। केन्द्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी के 15 साल बनाम मेरे पांच साल को देखा जाए तो दिखाई पड़ता है कि गांधी खानदान ने किस तरीके से अमेठी की उपेक्षा की। अमेठी में उन्होंने जो 50 साल में नहीं किया, राहुल गांधी ने जो 15 साल में नहीं किया उसे डबल इंजन की सरकार ने पांच साल में करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आप सभी ने कभी अमेठी में ऐसा सांसद नहीं देखा होगा जो गांव में खड़े होकर नालियों की साफ सफाई कराए। लेकिन आप सब ने मुझे बहन माना तो मैंने बहन का फर्ज निभाया। ईरानी ने कहा कि जब राहुल गांधी को छींक आती थी तो वह इलाज के लिए विदेश भाग कर जाते थे, लेकिन अमेठी के लोगों के लिए एक मेडिकल कॉलेज नहीं बनवाया और आप सभी के आशीर्वाद से देश के प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी।

गरीबों के हक पर डका डलाने में जुटी भाजपा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार गरीबों के हक पर डाका डालने में लगी हुई है। इसकारण एक ही झटके में 1250 डिपो संचालकों के लाइसेंस को रद्द कर दिए है। ऐसा होने से राशन कार्ड धारकों के सामने तेल-अनाज का इंतजाम करना चुनौती होगा है। एक साथ इतने लाइसेंस रद्द होने से लाखों गरीबों के सामने राशन को लेकर संकट खड़ा हो सकता है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में सस्ते राशन की दुकान के तौर पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 9300 लोगों का डिपो होल्डर के लाइसेंस दिए हुए हैं। लेकिन, पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने एक आदेश जारी कर 60 साल से अधिक उम्र वाले डिपो होल्डर के लाइसेंस खत्म करने के आदेश जारी कर दिए थे। इसके विरोध में डिपो होल्डर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की शरण में पहुंच गए। कांग्रेस नेता सैलेजा ने कहा कि हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार के आदेश पर 31 मार्च तक के लिए रोक लगा दी थी। इसके बाद उन 1250 डिपो होल्डर के सामने से तालाबंदी का संकट टल गया था। लेकिन, 31 मार्च को हाईकोर्ट से मिली राहत की समय अवधि खत्म होने बाद अब इनके लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। हरियाणा के इतिहास में यह पहला मौका है, जबकि एक ही झटके में 1250 डिपो लाइसेंस खत्म हो गए हैं। इन सभी लाइसेंस धारकों की उम्र 60 साल को पार कर चुकी है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि जिन डिपो के लाइसेंस रद्द हुए हैं, उन्हें अप्रैल महीने का राशन भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। जो लोग इनसे जुड़े हुए थे, वे राशन आने से संबंधित जानकारी एकत्रित करने के लिए बार-बार इनके पास पहुंच रहे हैं। सरसों के तेल, चावल, गेहूं, नमक, चीनी आदि की उपलब्धता के बारे में बार-बार पूछ रहे हैं, लेकिन लाइसेंस गंवाने वाले डिपो होल्डर कोई भी जवाब इन लोगों को नहीं दे पा रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 1.68 करोड़ गरीब परिवार राशन के लिए डिपो होल्डर पर निर्भर हैं। राशन न मिलने से इनमें से करीब 14 प्रतिशत के सामने रोटी का संकट खड़ा होने लगा है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को लेकर कुछ बड़ा करने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार सामाजिक सुरक्षा कवरेज को बढ़ाने के लिए सरकारी स्तर कुछ बड़ा करने वाली है। खबर है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत वेतन सीमा को अब 15,000 से बढ़ाकर करीब 21,000 किया जा सकता है। ऐसा करना सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

पीएफ के लिए वेतन सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ा था। अब इस प्रस्ताव पर फिर से विचार हो रहा है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया, हम सभी विकल्पों का मूल्यांकन कर रहे हैं और इसबारे में निर्णय नई सरकार द्वारा लिया जा सकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक केंद्र सरकार का मानना है कि भारतीय उद्योग जगत की मजबूत बैलेंस शीट वेतन सीमा में बढ़ोतरी के कारण उद्यमों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी। अधिकारी के अनुसार, वेतन सीमा बढ़ाने से सरकार और निजी क्षेत्र दोनों पर भारी वित्तीय प्रभाव पड़ेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि यदि केंद्र सरकार अधिक से अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना चाहती है, तब केंद्र सरकार को उस दिशा में आगे बढ़ना होगा। अनुमान है कि बढ़ी हुई वेतन सीमा से लाखों श्रमिकों को लाभ होगा क्योंकि अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी 18,000 और 25,000 के बीच है। अभी जो वेतन सीमा है, उस वजह से वे किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो जाते हैं। ईपीएफओ के तहत वेतन सीमा में आखिरी बार साल 2014 में बदलाव हुआ था। तब वेतन सीमा को 6,500 से बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया था। हालांकि, इससे ऊलट कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में भी वेतन की सीमा इससे ज्यादा है। वहां साल 2017 से ही 21,000 की उच्च वेतन सीमा है और सरकार के भीतर इस पर सहमति है कि दो सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत वेतन सीमा को अलाइन किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ईपीएफओ और ईएसआईसी दोनों श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के तहत, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों ईपीएफ खाते में मूल वेतन, महंगाई भत्ता और प्रतिधारण भत्ता, यदि कोई हो, 12 प्रतिशत का समान योगदान करते हैं। पीएफ खाते में जहां कर्मचारी का पूरा योगदान भविष्य निधि खाते में जमा किया जाता है, वहीं नियोक्ता के योगदान का 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है और शेष 3.67 प्रतिशत पीएफ खाते में जमा किया जाता है।

नीतीश के निशाने पर रहा लालू-राबड़ी राज, बोले- वे केवल सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज अपने पुराने रंग में नजर आए। भाजपा से हाथ मिलाने के बाद उनके निशाने पर एक बार फिर से लालू प्रसाद यादव और राबड़ी आ गए हैं। नीतीश कुमार ने आज से लोकसभा चुनाव का प्रचार शुरू किया है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में 15 साल तक पति-पत्नी का शासन रहा। नवादा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि राजद और एनडीए 2005 से एक साथ हैं, जबकि पिछले दो दशकों में उनकी साझेदारी कई बार तनाव में थी। नवादा से भाजपा ने विवेक ठाकुर को अपना उम्मीदवार बनाया है।

नीतीश ने कहा कि आप जानते हैं कि नवंबर 2005 से जब हमें मौका मिला तो हमने बीजेपी के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया। बीच में दो जगह हम इधर उधर हो गए, लेकिन फिर वापस हो गए, अब इधर उधर हम होनेवाले नहीं हैं। हम शुरू से ही साथ काम कर रहे हैं। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिहार में क्या था? 15 साल तक पति-पत्नी का राज रहा। क्या आपको वो दिन याद हैं जब कोई भी शाम के समय अपने घर से बाहर नहीं निकल पाता था। हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थे, तब भी हमें अपने संसदीय क्षेत्र में जाने के लिए पैदल जाना पड़ता था, क्योंकि वहां सड़कें नहीं थीं।

राज्य में महागंठबंधन (महागठबंधन) में कांग्रेस और अन्य दलों के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद, जदयू एनडीए में लौट आया और इस साल की शुरुआत में भाजपा से हाथ मिला लिया। इस बदलाव के कारण नीतीश कुमार ने नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। नीतीश कुमार इससे पहले अगस्त 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गए थे और कांग्रेस और राजद के समर्थन से नई सरकार बनाई थी। यह बताते हुए कि नीतीश कुमार इस साल एक बार फिर एनडीए में क्यों शामिल हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पार्टी गठबंधन में उनका वापस स्वागत करके खुश है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारे सत्ता संभालने से पहले बिहार में क्या था? बुनियादी ढांचा अस्त-व्यस्त था। सत्ता संभालने के बाद चीजें बेहतर होने लगीं। अब, हमें केंद्र से बहुत समर्थन मिल रहा है। हमेशा खुद को एक 'धर्मनिरपेक्ष' नेता के रूप में पेश करने वाले कुमार ने कहा, ''जब तक हम सत्ता में नहीं आए और चीजों को व्यवस्थित नहीं किया, तब तक बिहार में बहुत सारे हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए मेरे कार्यकाल में बहुत कुछ किया गया। मुझे उम्मीद है कि मेरे कार्यकाल के दौरान किया गया यह सबकुछ सिर्फ इसलिए नहीं भुला दिया जाएगा कि मैं फिर से भाजपा के साथ हूं।'' जदयू अध्यक्ष ने वर्ष 2015 में और फिर 2022 में कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ अल्पकालिक गठबंधन किया।

प्रसाद पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए जदयू प्रमुख ने कहा कि कोई भी उनके परिवार के करीबी सदस्यों के नाम तक नहीं जानता। जदयू प्रमुख ने राजद अध्यक्ष के बेटों पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और उनकी बेटियों (मीसा भारती और रोहिणी आचार्य, जो क्रमशः पाटलिपुत्र और सारण से राजद उम्मीदवार हैं) की ओर इशारा करते हुए कहा, ''जरा देखें कि परिवार के कितने सदस्यों ने सत्ता का आनंद लिया है और कितनों को टिकट मिला है।'' राजद प्रमुख और उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की ओर इशारा करते हुए कुमार ने कहा, ''वे सत्ता और संपत्ति का आनंद लेना चाहते हैं। दूसरी ओर, कोई भी मुझ पर मुख्यमंत्री के रूप में अपने 18 वर्षों में गलत तरीके से एक पैसा कमाने का आरोप नहीं लगा सकता है।'' कुमार ने सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर भर्तियों का श्रेय लेने का दावा करने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर प्रहार करते हुए कहा, ''उनके (तेजस्वी) आने से पहले लिए गए नीतिगत निर्णयों के अनुरूप भर्तियां हो रही थीं। लेकिन वह बड़ी-बड़ी बातें करते रहे, इसलिए हम उनको हटा दिए।''

क्यूबा में सैन्य हेलीकाप्टर क्रैस, 3 लोगों की मौत

हवाना । क्यूबा के पूर्वी शहर सेंटियागो में गुरुवार को सेना का एक हेलीकाप्टर क्रैस होने से चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। सशस्त्र बलों के मंत्रालय (मिनफर) ने यह जानकारी दी है। मिरफर ने एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना हवाना से लगभग 860 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित देश के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर के एक हवाईअड्डे पर हुई है। बयान में कहा गया कि इस समय रिवोल्यूशनरी सशस्त्र बलों की एक समिति दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ईद पर सिंधु नदी में नाव पलटी, 11 को बचाया

इस्लामाबाद। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को सिंधु नदी में नाव पलटने से ईद मना रहे कम से कम 15 लोग डूब गए। बचाव अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 11 लोगों को जिंदा बचा लिया और लापता चार लोगों की तलाश जारी है। नौशेरा, स्वाबी और मर्दन की बचाव टीमें तलाशी अभियान में भाग ले रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह त्रासदी नौशेरा जिले के कुंड पार्क क्षेत्र में हुई जहां ईद का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए लोग खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के संगम पर नदी में डूब गए थे। राज्यपाल गुलाम अली और मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। वहीं पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरुवार को गरीबी से परेशान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और सात नाबालिग बच्चों की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। पेशे से मजदूर सज्जाद खोखर ने 350 किलोमीटर दूर मुजफ्फरगढ़ जिले के अलीपुर में अपनी 42 वर्षीय पत्नी कौसर और 7 बच्चों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिकन व्यक्ति ने लगाए 24 घंटे में 26 हज़ार स्क्वॉट्स

-टोनी पिराइनो ने तोड़ा आइलैंड के जो रेवेर्डेस का वर्ल्ड रिकॉर्ड

वाशिंगटन। दुनिया में तरह तरह के लोग हैं जो मशहूर होने के लिए नए नए तरीके आजमाते हैं। कुछ लोग ऐसे भी जो सोशल मीडिया पर रील बनाकर मशहूर होने पर गर्व महसूस करते हैं तो कुछ ऐसा करना चाहते हैं जो गिनीज बुक में अपना नाम लिखवाना चाहते हैं। ऐसे ही एक व्यक्ति ने 24 घंटे में 26 हज़ार उठक-बैठक लगाकर सभी को चौंका दिया और उसका नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड की सूची में दर्ज होना बाकी है। अगर आप जिम जाते हैं, तो स्क्वॉट्स यानी उठक-बैठक के बारे में आपको अच्छी तरह से पता होगा। इस टफ एक्सरसाइज़ के 30 रेप्स भी भारी पड़ जाते हैं और इंसान की सांस फूलने लगती है लेकिन एक ऐसा भी व्यक्ति है जिसने 24 घंटे के अंदर 26 हज़ार स्क्वॉट्स वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इस अमेरिकन शख्स का यह रिकॉर्ड चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिका में रहने वाले टोनी पिराइनो नाम के इस व्यक्ति ने ये कमाल कर दिखाया है। उसने 5 अप्रैल को सुबह 5 बजे से 6 अप्रैल सुबह 5 बजे तक लगातार स्क्वॉट्स (उठक-बैठक) लगाए उसने 24 घंटे के अंदर कुल 26,100 उठक-बैठक करके रिकॉर्ड बना दिया। इससे पहले रोड आइलैंड के रहने वाले जो रेवेर्डेस के नाम पर 25000 स्क्वॉट्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज था लेकिन टोनी ने इसे तोड़ दिया है। वे हर 22 स्क्वॉट्स के बाद 30 सेकंड रुकते और फिर शुरू हो जाते थे। उन्होंने कुछ ब्रेक्स थोड़े लंबे भी लिए और एनर्जी ड्रिंक्स और स्नैक्स खाकर खुद को चार्ज करते रहे। हालांकि टोनी के इस रिकॉर्ड को अभी गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से वेरिफाई होना बाकी है, लेकिन उन्हें पूरा भरोसा है कि उनका नाम गिनीज़ बुक में जरुर चढ़ जाएगा।

दक्षिणी ध्रुव से निकला नया वायरस पूरी दुनिया में मचाएगा तबाही!

-ब्राज़ील के सैलोमे ने 2024 को लेकर की भविष्यवाणी

वाशिंगटन। इस साल दुनिया में क्या होने वाला है इसको लेकर ज्योतिष और भविष्यवक्ता नई नई भविष्यवाणी करते हैं। 2019 आई आपदा कोविड 19 की भविष्यवाणी के बाद लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। अब 2024 को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्वयं भू मनोचिकित्सक एथोस सैलोमे ने भविष्यवाणी की है कि एक नया घातक वायरस जल्द ही दुनिया को तबाह कर देगा। इस साल के अंत में दक्षिणी ध्रुव से निकला एक नया वायरस पूरी दुनिया में फैल जाएगा। जीवित नास्त्रेदमस' के रूप में पहचाने जाने वाले ब्राजील के 37

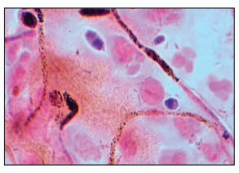

वर्षीय सैलोमे ने यूक्रेन पर आक्रमण और महारानी एलिजाबेथ की मृत्यु सहित, अन्य प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ कोविड महामारी की भविष्यवाणी की है। सैलोमे का कहना है कि इस नए वायरस से लड़ने में उम्मीद से ज्यादा समय लगेगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि बेहतर होगा कि आप अपना कोविड मास्क तैयार कर लें। सैलोमे का कहना है कि अगर इस नए वायरस को काबू में नहीं किया गया, तो पीड़ा, मानसिक और भौतिक क्षति से मौतें बहुत अधिक होने लगेंगी और यह वायरस इतिहास में सबसे खतरनाक विनाशक वायरस के रूप में जाना जाएगा। सैलोमे ने इस बारे में नहीं बताया कि वायरस किस कारण से उत्पन्न होगा या वैज्ञानिक इसका टीका बना पाएंगे। रहस्यमय भविष्यवक्ता का यह भी कहना है कि 2024 वह वर्ष होगा जब लोग आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के जरिए कब्र में जा चुके अपने प्रियजनों से संवाद कर सकेंगे। उनके मुताबिक यह तकनीक सिर्फ एक वैज्ञानिक सफलता नहीं, बल्कि मानव यात्रा को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम होगी। सैलोमे की भविष्यवाणी के मुताबिक यह साल अस्तित्व के रहस्यों को उजागर करने, आराम और हमारे जीवन मिशन की गहन समझ प्रदान करने का वादा करता है। वहीं अन्य भविष्यवाणियों में अमेरिका पर आक्रमण, एक बड़ा साइबर हमला और तीसरा विश्व युद्ध, एलियंस से मुलाकात और अमेरिका, अफ्रीका और मध्य पूर्व में व्यापक प्राकृतिक आपदाएं शामिल हैं। तो, ऐसा लगता है कि हम 2024 में बहुत सारी आपदाओं का सामना करेंगे इसके लिए हमें अभी से तैयारी शुरु कर देनी चाहिए।

ब्रिटेन में 12 भारतीय गिरफ्तार, अवैध तरीके से केक फैक्ट्री में नौकरी कर रहे थे, वीजा उल्लंघन के भी आरोप

लंदन । ब्रिटेन में 12 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला शामिल है। सभी गद्दे और केक की फैक्ट्री में अवैध तरीके से नौकरी कर रहे थे। इन पर वीजा शर्तों के उल्लंघन के आरोप भी हैं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, इमिग्रेशन इन्फोर्समेंट अधिकारियों ने इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में गद्दे के कारोबार से जुड़ी एक यूनिट पर छापा मारा। अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि यहां अवैध रूप से काम हो रहा है। बयान के मुताबिक, 7 भारतीयों को गद्दे बनाने वाली फैक्ट्री से गिरफ्तार किया गया। वहीं, 4 लोगों को पास की केक फैक्ट्री से पकड़ा गया। इन चारों पर वीजा उल्लंघन के आरोप हैं। इसके अलावा एक भारतीय महिला को भी इमिग्रेशन क्राइम के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल 88 आतंकियों को मार गिराया

इस्लामाबाद । पाक के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल आतंकवाद संबंधी घटनाओं में 42 पुलिसकर्मी मारे गये हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रांत के पुलिस प्रमुख अख्तर हयात खान गंडापुर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने इसी अवधि के दौरान विभिन्न अभियानों में 88 आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 से अब तक प्रांत में आतंक का मुकाबला करते हुए 42 पुलिसकर्मी मारे गए। उन्होंने कहा कि देश में हालिया आतंकवादी गतिविधियों के केंद्र रहे डेरा इस्माइल खान व लक्की मारवात और टैंक सहित दक्षिणी जिलों में कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है।

रुस में एक बाढ़ग्रस्त सड़के के पास से निकलता हुआ एक ट्रक। इसकी तस्वीरें एक ड्रोन के जरिये ली गयीं।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका अपनी भूमिका विचार करे : जापानी पीएम

वाशिंगटन (ईएमएस)। जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी संसद को संबोधित किया और उनसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव और विदेशों में अमेरिका की भूमिका को लेकर गहराते संदेह के बीच वैश्विक प्रतिबद्धताओं के महत्व पर विचार करने का आग्रह किया। किशिदा इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात के लिए वाशिंगटन में हैं। उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस ने क्वाड समूह के प्रत्येक देश की मेजबानी का कार्यक्रम पूरा कर लिया है। क्वाड में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। क्वाड एक प्रकार की अनौपचारिक साझेदारी है जिसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। किशिदा ने अमेरिकी संसद भवन में सांसदों को संबोधित करते हुए वैश्विक सुरक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि जापान क्वाड का एक शक्तिशाली भागीदार है।

पाकिस्तान पर हमला कर तालिबान ने लौटाई हिन्दू-सिखों की जमीन, भारत प्रतिक्रिया देने से खुद को रोक नहीं सका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अफगानिस्तान की मदद हर क्षेत्र में करता है। अफगानिस्तान के लोगों के लिए खाने के लिए अनाज, बीमारी में दवाएं और खेल के क्षेत्र में क्रिकेट में बड़ी मदद करता है। अब तालिबान की सरकार ने हिन्दू और सिखों पर बड़ा ऐलान कर भारत को खुश कर दिया है। अफगानिस्तान की सत्ता चला रही तालिबानी सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को ईद के अवसर पर बड़ा तोहफा दिया है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने पाकिस्तान के कई कबायली इलाकों पर न केवल कब्जा कर लिया। इसके साथ ही हिंदुओं और सिखों की जमीन वापस देनी शुरू कर दी है। तालिबान ने ईद के मौके पर हिंदुओं और सिखों से छीनी गई जमीन वापस लौटानी शुरू कर दी है। ये खबर सुनकर पाकिस्तान के होश फाख्ता हो गए हैं।

भारत को खुश करने के लिए तालिबान हिन्दुओं और सिखों को दोबारा अपने देश में बसाने जा रहा है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के इस कदम को लेकर भारत की तरफ से भी प्रतिक्रिया आ गई है। साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब इसको लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय से सवाल किया गया तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने जवाब देते हुए कहा कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यदि तालिबान प्रशासन ने अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों को संपत्ति का अधिकार बहाल करने का फैसला किया है, तो यह एक सकारात्मक विकास है। आपको बता दें कि पाकिस्तान में दशकों तक चले अत्याचारों के बाद हजारों हिन्दू और सिख देश छोड़कर चले गए थे। उसके बाद जब अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना घुसी तो अमेरिका समर्थित सरकार से जुड़े कई लोगों और अफसरों ने हिन्दुओं की जमीन पर कब्जा कर लिया। लेकिन तालिबान की सरकार ने इन्हीं अफसरों के कब्जे से हिन्दुओं और सिखों की जमीन छुड़वानी शुरू कर दी है। तालिबान तेजी से अपनी छवि बदलने की कोशिश में लगा हुआ है। तालिबान हिन्दू और सिख परिवारों की वापसी की तैयारियां भी करवा रहा है। इन काम की निगरानी के लिए तालिबान की सरकार ने एक आयोग का गठन किया है।

कंगाल हो रहे पाकिस्तान में चाय से लेकर चिकन तक सब कुछ सातवें आसमान पर

वाशिंगटन (एजेंसी)। इस्लामाबाद(ईएमएस)।पाकिस्तान की महंगाई लोगों का जीना मुहाल करने वाली है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भविष्यवाणी की है कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान पाकिस्तान में क्षेत्र में सबसे ज्यादा महंगाई और सबसे कम आर्थिक विकास दर मुताबिक, इस वित्त वर्ष में मालदीव में महंगाई दर 3.2 प्रतिशत, नेपाल में 6.5 प्रतिशत और श्रीलंका में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा इस वित्त वर्ष में श्रीलंका की आर्थिक विकास दर पाकिस्तान के बराबर यानी 1.9 फीसदी रहने की संभावना है। एडीबी ने कहा कि

अगले साल पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2.8 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल पाकिस्तान में यदि राजनीतिक स्थिरता रही तो वहां महंगाई दर के कम होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता की वजह अर्थव्यवस्था का यह आलम है। यदि ऐसी ही स्थिति रहेगी तो पाकिस्तान में चाय से चिकन तक सबकुछ महंगा होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आर्थिक विकास दर 7 फीसदी, बांग्लादेश में आर्थिक विकास दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस से भी कम रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम भी से कम रहने की उम्मीद है।

होगी। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में आर्थिक विकास दर 1.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, एडीबी ने यह भी अनुमान लगाया है कि इस वित्तीय वर्ष में पाकिस्तान में औसत महंगाई 25 फीसदी रहेगी।इसके अलावा रिपोर्ट में भारत के अलावा अन्य देशों की अर्थव्यवस्था पर ब्योरा दिया गया है। भारत में जहां चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर 4.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि बांग्लादेश में महंगाई दर 8.4 फीसदी और भूटान में महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के

पाकिस्तान में भुखमरी- दो जून की रोटी नहीं जुटा पाया तो पत्नी सहित 8 बच्चों को कुल्हाड़ी से काट डाला

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान में गरीबी और भुखमरी जग जाहिर है। लोग इतने ज्यादा त्रस्त हैं कि दो जून की रोटी जुटाना उनके लिए मुश्किल हो गया है। अब गुस्साए लोग अपने ही परिवार की हत्या करने पर उतारु हो रहे हैं। इसी तरह की भुखमरी से परेशान एक व्यक्ति ने अपने 7 बच्चों और बीवी पर कुल्हाड़ी चला दी। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। कहा जा रहा है कि आरोपी शख्स ने आर्थिक परेशानियों और भोजन की कमी के चलते यह कदम उठाया है। खबरें आती रही हैं कि पाकिस्तान में दवा-भोजन जैसी बुनियादी चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की है। पुलिस ने जानकारी दी है कि आरोपी शख्स सज्जाद खोखर ने पत्नी के साथ 7 नाबालिग बच्चों को भी मौत के घाट उतार दिया है। खबर है कि आरोपी आर्थिक मुद्दों के चलते काफी परेशान रहता था और पत्नी से झगड़ा भी किया करता था। फिलहाल, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मरने वालों में खोखर की 42 वर्षीय पत्नी कौसर, चार बेटियां और तीन बेटों का नाम शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, खोखर ने कुल्हाड़ी से सभी को मार दिया।

41 राजनयिकों को वापस भेजने के बाद कनाडा ने भी घटाया भारतीय स्टाफ

ओटावा (एजेंसी)। भारत सरकार ने बीते साल कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद कनाडा ने कहा कि जब हमारे राजनयिकों की संख्या भारत में कम है तो फिर हमें उनके लिए तैनात स्टाफ में भी कटौती करनी पड़ेगी। राजनयिकों की संख्या भारत की ओर से कम करने के आदेश के बाद ही कनाडा ने मुंबई, चंडीगढ़ और बेंगलुरु में अपने कौंसुलेट्स को भी बंद कर दिया है।

स्टाफ में कटौती की पुष्टि करते हुए कनाडा उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि भले ही यह कठिन फैसला है, लेकिन हमारे राजनयिकों की ही संख्या कम होने के चलते ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत में कनाडा के वीजा आवेदन केंद्र पहले की तरह ही चालू रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में अपने स्थानीय स्टाफ के आभारी हैं कि उन्होंने इतने अरसे तक पूरे समर्पण और गंभीरत के साथ सेवाएं दीं। भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों में तनाव के बाद भी कनाडा ने कहा कि हम भारतीयों का स्वागत करते हैं। वे कनाडा में स्टडी, नौकरी या फिर स्थायी निवास के लिए आ सकते हैं, हम उनका स्वागत करेंगे। वहीं भारतीय सूत्रों का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यह नहीं था कि कनाडा भारत में अपने कौंसुलेट्स को बंद करे। हमारा उद्देश्य था कि राजनयिकों की संख्या में समान रहनी चाहिए। कनाडा का स्टाफ भारत में तय सीमा से अधिक था, ऐसे में 41 लोगों को वापस भेजने का आदेश दिया गया। बता दें कि बीते साल कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारी उसे गोली मारकर फरार हो गए थे। अब तक इस मामले में कनाडा सरकार जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है। लेकिन कनाडा ने भारत पर इसका आरोप लगाया था।

41 राजनयिकों को वापस भेजने के बाद कनाडा ने भी घटाया भारतीय स्टाफ

ओटावा (एजेंसी)। भारत सरकार ने बीते साल कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद कनाडा ने कहा कि जब हमारे राजनयिकों की संख्या भारत में कम है तो फिर हमें उनके लिए तैनात स्टाफ में भी कटौती करनी पड़ेगी। राजनयिकों की संख्या भारत की ओर से कम करने के आदेश के बाद ही कनाडा ने मुंबई, चंडीगढ़ और बेंगलुरु में अपने कौंसुलेट्स को भी बंद कर दिया है।

स्टाफ में कटौती की पुष्टि करते हुए कनाडा उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि भले ही यह कठिन फैसला है, लेकिन हमारे राजनयिकों की ही संख्या कम होने के चलते ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत में कनाडा के वीजा आवेदन केंद्र पहले की तरह ही चालू रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में अपने स्थानीय स्टाफ के आभारी हैं कि उन्होंने इतने अरसे तक पूरे समर्पण और गंभीरत के साथ सेवाएं दीं। भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों में तनाव के बाद भी कनाडा ने कहा कि हम भारतीयों का स्वागत करते हैं। वे कनाडा में स्टडी, नौकरी या फिर स्थायी निवास के लिए आ सकते हैं, हम उनका स्वागत करेंगे।

वहीं भारतीय सूत्रों का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यह नहीं था कि कनाडा भारत में अपने कौंसुलेट्स को बंद करे। हमारा उद्देश्य था कि राजनयिकों की संख्या में समान रहनी चाहिए। कनाडा का स्टाफ भारत में तय सीमा से अधिक था, ऐसे में 41 लोगों को वापस भेजने का आदेश दिया गया।

बता दें कि बीते साल कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारी उसे गोली मारकर फरार हो गए थे। अब तक इस मामले में कनाडा सरकार जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है। लेकिन कनाडा ने भारत पर इसका आरोप लगाया था। इसके बाद भारत-कनाडा के रिश्ते बिगड़ गए हैं। भारत ने भी आरोप लगाया था कि कनाडा के राजनयिक आंतरिक मामलों में दखल दे रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कानून के स्वीकृत सिद्धांतों और मानदंडों के खिलाफ, ईरानी दूतावास पर अटैक को लेकर भारत का आया बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरानी दूतावास पर इजरायली स्ट्राइक को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने 1 अप्रैल 2024 को सीरिया में ईरानी राजनयिक परिसरों पर हुए हमले पर चिंता व्यक्त की है। भारत पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और आगे हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता से व्यथित है। हम सभी पक्षों से ऐसे कार्यों से बचने का आग्रह करते हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून के आम तौर पर स्वीकृत सिद्धांतों और मानदंडों के खिलाफ जाते हैं।

इज़राइल ने दमिश्क में सोमवार के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसने गाजा युद्ध और लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में ईरान समर्थित समूहों से जुड़ी हिंसा के कारण पहले से ही मध्य पूर्व में तनाव बढ़ा दिया था। विस्फोटों के कारण इमारत मलबे के पहाड़ में तब्दील हो गई, जिससे आस-पास की इमारतों की खिड़कियाँ उड़ गईं और शहर के एक हरे-भरे और ऊंचे उपनगर में सड़क के किनारे खड़ी कारें जलकर खाक हो गईं।

म्यांमार में सुरक्षा स्थिति पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि म्यांमार में सुरक्षा स्थिति अनिश्चित और बिगड़ती हुई बनी हुई है। आपने विशेष रूप से राखीन राज्य और अन्य क्षेत्रों में चल रही लड़ाई के बारे में सुना है। कुछ समय पहले, हमने अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी ताकि वे उचित सावधानी बरत सकें। उन भारतीयों के संबंध में जो म्यांमार की यात्रा कर रहे हैं, उन्हें उचित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए और अपना ख्याल रखना चाहिए जबकि दूतावास उनकी देखभाल के लिए वहां मौजूद है। हमने अपने कर्मचारियों को सिटवे वाणिज्य दूतावास से यांगून में स्थानांतरित कर दिया है।

संपादकीय

बैसाखी पर नवजीवन का संदेश: संत राजिंदर सिंहजी महाराज

बैसाखी के महीने में प्रकृति के लिहाज से पेड़-पौधें में नई कोपलें निकलनी शुरू हो जाती हैं, इनमें एक नई जिंदगी की शुरूआत होती है तो हमें भी इससे कुछ नया सबक लेना चाहिए जिससे कि हमारे जीवन में भी नई कोपलें फूटें ताकि हमारी नई जिंदगी का आरंभ हो और हमारे दिल से सभी भेदभाव मिट जायें। हरेक समाज में बैसाखी का महीना कई तरह से मनाया जाता है।

सन् 1699 में बैसाखी के दिन ही दशम गुरू साहिब, गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ (सिख पंथ) की शुरूआत की थी। इस दिन दशम गुरू साहिब ने पाँच प्यारों को चुना। बौद्ध लोगों के लिए भी यह दिन बड़ा मुबारक है। इसी दिन महात्मा बुद्ध का भी जन्म हुआ था। बैसाखी के दिन ही उन्हें आत्म-ज्ञान भी हुआ और इसी दिन उनका निर्वाण भी हुआ।

महापुरूष जब-जब भी इस दुनिया में आते हैं, वे एक ही बात को बार-बार पेश करते हें, वह क्या है? कि मानुष जन्म बड़े भागों से मिलता है, जिसमें हम अपने निजघर वापिस जा सकते हैं। परमात्मा महाचेतना का सागर है और हमारी आत्मा उसकी एक बूंद है। परमात्मा प्रेम है, हमारी आत्मा उसका अंश होने के नाते प्रेम है, इसमें कुदरती तौर से प्रभु से मिलने का भाव है, इसका गुण है अपने प्रीतम से जुड़ना।

बैसाख धीरन क्यों वाढियां जिना प्रेम बिछोह।

''बैसाख धीरन क्यों'' बैसाख का महीना आ गया है, फसल कटी पड़ी है तुम्हारी, प्रभु से दूर पड़े हो, तुम्हें धीरज कैसे आ सकता है उसके बग़ैर। तुम उससे कटे पड़े हो, कैसे तुम जीवन गुज़ार रहे हो? कैसे भूल गये हो तुम?

हर साजन पुरख विसार के लगी माया धोह।

परमात्मा से दूर हो गये हम, उसे भूल गये और माया हाथ धोकर हमारे पीछे लग गई, माया नाम है भूल का। यह भूल कहाँ से शुरू हुई? यह दर्द भरी कहानी है। फसल तो बाहर कटी पड़ी है। महात्मा देखकर कहते हैं, तुम उस प्रभु से कटे पड़े हो तुम उसकी अंश हो। तुम मालिक को भूल गए और यही सब खराबियों की जड़ है। प्रभु को भूल कर अपना जन्म बरबाद कर रहे हो। ''प्रभु बिना अवर न कोय।'' प्रभु के बिना तुम्हारी आत्मा का कोई साथी नहीं। पुत्र, स्त्री, बच्चे ये सब प्रारब्ध कर्मों के अनुसार प्रभु ने जोड़े हैं। खुशी से लेना-देना निभाओ और अपने घर जाओ। वह परमात्मा जो हमारी आत्मा का संगी है और साथी है, वह तुम्हारे साथ जायेगा। हमें यह मानुष जन्म मिला है प्रभु को पाने के लिए।

आत्मा चेतन स्वरूप है, जब तक वह महाचेतन प्रभु से नहीं मिलेगी उसको कभी संतुष्टि नहीं होगी। मन कभी काबू नहीं होगा जब तक नाम से, परिपूर्ण परमात्मा से नहीं मिलेगा। ''नाम मिलिये मन तृप्तिये''। भगवान कृष्ण के जीवन में आता है कि उन्होंने यमुना नदी में छलांग मारी। नीचे हजार मुँह वाला सांप था। उन्होंने बाँसुरी बजाते हुए उसका नथन किया। यह सांप कौन था? मन, जिसके हज़ार तरीके हैं, जहर चढ़ाने के। उसको जीतना है। ''मन जीते जग जीत''। हमारे और उस प्रभु की प्राप्ति के बीच कोई रूकावट है तो वह मन ही है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

खिलौनों के वैश्विक बाज़ार में भारतीय दस्तक

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। वहीं दूसरी ओर आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निःसंदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग नई ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीदारी करने वाले कई खरीदार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीदारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी-बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खासतौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतर्राष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं। अब वह समय बीत गया है कि जब पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगें लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं। सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें द इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चल आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना की जरूरत है। खिलौना उद्योग के विकास से संबंधित विभिन्न एजेंसियों के बीच उपयुक्त तालमेल बनाया जाना जरूरी है। देश में चीन की तरह खिलौने के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) को आकार देने की जरूरत है। अभी खिलौनों पर जीएसटी की दर में कटौती की जानी चाहिए। जिससे खिलौनों की कीमत में और कमी आएगी। अधिकांश भारतीय खिलौने ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि घरेलू खिलौनों की बिक्री को और बढ़ाया सके। यह भी जरूरी है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित की गई पारंपरिक और यांत्रिक खिलौनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शीघ्र शुरू की जाए।

देश में सुगठित खिलौना प्रशिक्षण और डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्तरूप देना होगा। इसके अलावा खिलौना उद्योग के लिए बैंकों से ऋण तथा वित्तीय सहायता संबंधी बाधाओं को दूर करना होगा। खिलौनों के अधिक निर्यात से अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई की जा सकेगी। साथ ही खिलौना उद्योग में रोजगार के मौके देश के कोने-कोने में और तेजी से बढ़ेंगे।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

पिच पर आग उगलने लगी 'राजधानी एक्सप्रेस'

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

कभी रावलपिंडी से चलने वाली तेज ट्रेन के नाम पर पाक के तूफानी गेंदबाज शोयब अख्तर को 'रावलपिंडी एक्सप्रेस' कहा जाता था। अब भारत के तूफानी गेंदबाजी की खोज पूरी होती दिख रही है। अब देश की राजधानी दिल्ली का आग उगलती गेंदें डालने वाला मयंक यादव 'राजधानी एक्सप्रेस' के नाम से पुकारा जा रहा है। अभी भारत की टीम में उसका चयन नहीं हुआ है, लेकिन डेढ़ सौ किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा स्पीड की गेंद फेंककर उसने आईपीएल में विपक्षी टीम के पंजे से जीत छीनी हैं। इतिहास रचा है, अपने पहले डेब्यू मैच और दूसरे मैच में अपनी आग उगलती गेंदों के बूते लगातार दो बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीतकर। लगता है भारत को अपना पहला खतरनाक गेंदबाज मिल गया है। सचमुच जमीन से उखड़कर दिल्ली में बसे उनके परिवार के लिये यह सुनहरे सपनों का सच होने जैसा है। उस पिता के लिये भी जो बेटे से उम्मीद लगाए रहे कि वह वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज कर्टली एंब्रोस की तरह घातक गेंदबाजी करके सामने के बल्लेबाज को भयभीत करे। सचमुच, जिन्हें खुद पर भरोसा होता है और जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करने होते हैं, वे छोटे अवसरों को नजरअंदाज कर देते हैं। वे लीक तोड़ने में विश्वास करते हैं। उनकी नजर अर्जुन की तरह बड़े लक्ष्य चिड़िया की आंख पर होती है। ठीक इसी तरह जब निम्न मध्यवर्गीय परिवार में जन्मे मयंक यादव ने अपने घर में कहा कि वह स्कूल छोड़कर क्रिकेट खेलना चाहता है तो घर में बवाल हो गया। आम परिवार की सोच आज भी 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब और खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब' की उक्ति पर टिकी है। यही वजह है कि मयंक के परिवार ने उसके स्कूल छोड़ने के फैसले पर हाय-तौबा मचाई। लेकिन ये मयंक का खुद पर भरोसा ही था, जो उसने रिस्क उठाया था। उसने कह दिया कि छह महीने में यदि सफल न हुआ तो वापस स्कूल ज्वाइन कर लूंगा। दूसरी बार जब दिल्ली की चर्चित सोनेट क्रिकेट एकेडमी में प्रशिक्षण के दौरान जब वह सर्विसेज की टीम में सिलेक्ट हुआ और उसे नौकरी का ऑफर मिला तो उसने ठुकरा दिया। मयंक में गजब का धैर्य है। उसकी गेंदबाजी को संवारने वाले कोच तारक सिन्हा खासे नाराज हुए कि क्यों ऐसा अवसर छोड़ रहा है। लेकिन शायद मयंक को अपनी क्षमताओं का पता था। उसे खुद पर भरोसा था। संकल्प था कि दिल्ली की टीम में ही खेलना है। उसका संकल्प अब हकीकत बन रहा है। भारतीय क्रिकेट के आने वाले दशक मयंक के नाम होने वाले हैं बशर्ते वह अपनी फिटनेस कायम रख सके। अपने को चोट से बचा सके। इसी फिटनेस की समस्या के कारण उसे आईपीएल के पिछले सीजन में लखनऊ ज्वाइंट की टीम में चयनित होने के बावजूद बाहर बैठना पड़ा। एक तूफानी गेंदबाज टीम में एक दर्शक की तरह शामिल हो, यह असहनीय जैसा होता है। लेकिन मयंक के धैर्य की प्रशंसा करनी होगी कि लखनऊ ज्वाइंट के लिये पिछले सीजन में बीस लाख की बेस प्राइज में सिलेक्ट होने के बावजूद वह मैदान से बाहर रहा। मयंक पश्चिमी दिल्ली के उसी इलाके से आते हैं जहां के विराट कोहली हैं। यह इलाका देश को एक और क्रिकेट का नगीना दे रहा है। वह भी 'राजधानी एक्सप्रेस' जैसा तूफानी गेंदबाज। उसके जलवे दिख रहे हैं जबकि भारतीय क्रिकेट टीम के किसी भी फॉरमेट में चयन नहीं हुआ है। अब चयनकर्ता उसके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भारत जैसे देश में जहां तेज गेंदबाजों का अकाल जैसा रहा है। निस्संदेह तूफानी गेंदबाज सामने वाली टीम में खौफ पैदा कर देता है। जीत छीनकर ले आता है। जैसा कि मयंक ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 155 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंद फेंककर पदार्पण मैच में 27 रन देकर तीन विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवार्ड जीता। उसने अपनी तेज गेंदों से शिखर धवन द्वारा लिखी जीत की इबारत को हार में तब्दील कर दिया। इसी तरह लगातार दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के साथ मुकाबले में गेंद की रफ्तार 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। उन्होंने महज 14 रन देकर तीन विकेट लिए। विकेट भी ग्लेन मैक्सवेल व कैमरन ग्रीन जैसे दमदार बल्लेबाजों के लिए। मूल रूप से बिहार के सुपौल जिले के रतहो गांव के मयंक का जन्म दिल्ली में हुआ। गलियों से क्रिकेट की शुरुआत करने वाले मयंक ने अब आईपीएल में दमदार पारी के बूते टी-20 विश्वकप के लिये दावेदारी कर दी है। आने वाला समय मयंक है और वह लंबे समय तक देश के लिए प्रथम श्रेणी की क्रिकेट खेल सकता है। आज भले ही बालक मयंक में आतिशी गेंदबाजी की संभावना तलाशने वाले गुरु, सोनेट क्रिकेट एकेडमी के कोच तारक सिन्हा हमारे बीच में नहीं हैं और कोरोना ने उन्हें हम से छीन लिया है, लेकिन वे देश को एक आग उगलने वाला बॉलर दे गए हैं। सोनेट एकडेमी ने देश को आशीष नेहरा, शिखर धवन, ऋषभ पंत, आयुष बडोनी जैसे खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने ही मयंक को अहसास कराया था कि उसकी बोलिंग में आतिशी तेजी है। उन्होंने मयंक से कहा था कि वह अपनी उम्र के बच्चों के बजाय बड़ी उम्र के खिलाड़ियों के साथ खेले। लेकिन वह दिल्ली की तरफ से अंडर-14 व अंडर-16 के लिये नहीं खेल पाया। दिल्ली में 'राजधानी एक्सप्रेस' के नाम से विख्यात मयंक का खौफ सिर पर बॉल मारने वाले खिलाड़ी के रूप में है। अभी तो इस सितारे ने हार्ड लेंथ गेंदबाजी की है, जिस दिन यॉर्कर डालने लगेगा, वह एक खतरनाक गेंदबाज बन जाएगा। इस दुबले-पतले-सांवले और अंतर्मुखी मयंक से देश को बड़ी उम्मीदें हैं।

विचार मंथन

शांतिपूर्ण धरना भी अब अपराध की श्रेणी में?

(लेखक- सनत जैन)

भारत में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करना भी अपराध की श्रेणी में आ गया है? धरना प्रदर्शन के लिए यदि अनुमति मांगी जाती है। जिला और पुलिस प्रशासन आमतौर पर कानून व्यवस्था की स्थिति के नाम पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देता है। यदि दबाव में अनुमति दे भी दी, तो उसमें इस तरह की शर्तें लगा दी जाती हैं। जिसका पालन आयोजक के वश में ही नहीं रहता है। यदि प्रदर्शन सरकार और प्रशासन के खिलाफ हो रहा है। ऐसी स्थिति में प्रदर्शन करने की आमतौर पर अब अनुमति नहीं मिलती है। जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 का उपयोग धरना प्रदर्शन को रोकने में अब बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। धारा 144 लगाकर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जो भारतीय नागरिकों के मूलभूत अधिकार को खत्म करने जैसा है। इसी तरह से पुलिस लोगों को गिरफ्तार कर लेती है। उन्हें गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया जाता है। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का कारण पूछने पर उस पर सरकारी काम में अवरोध पैदा करने, तरह-तरह के आरोप लगाकर, पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर लेती है। कई मामलों में तो यह भी देखने में आया है। पुलिस बिना सूचना दिए चार्ज शीट अदालत में पेश कर देती है। धरना प्रदर्शन के मामलों में फरार घोषित कर दिया जाता है। न्यायालयों में कई वर्षों तक मुकदमा लंबित रहता है। कई वर्षों तक लोगों को न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। हाल ही में चुनाव आयोग के सामने शांतिपूर्वक धरना दे रहे टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और लगभग एक दर्जन लोगों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस उन्हें घसीट कर बस तक ले गई। पुलिस उन्हें यह भी नहीं बता रही थी, दिल्ली पुलिस उन्हें क्यों हिरासत में ले रही है। वह अपनी बात रखने के लिए चुनाव आयोग के कार्यालय में आए थे। वह धरना देकर शांति पूर्वक विरोध दर्ज करा रहे थे। सांसद डेरेक का कहना था,दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें नौवीं बार हिरासत में लिया गया है। हम लोग शांतिपूर्ण ढंग से बैठे हुए थे। मीडिया से बात कर रहे थे। इसी बीच पुलिस आई और अपराधियों की तरह घसीट कर ले गई। यह सब कैमरे के सामने हो रहा था। इसके बाद भी पुलिस को कोई फर्क नहीं पड़ा। पुलिस गिरफ्तार करके उन्हें बसों से मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर उन्हें काफी देर तक रखा। उसके बाद 2 घंटे तक वह बस में हम लोगों को घुमाते रहे। कहां ले जा रहे हैं, और किस अपराध में हिरासत में लिया है। यह भी पुलिस द्वारा नहीं बताया गया। लगभग 2 घंटे अवैध हिरासत में रखने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार किए जाने पर उन्होंने एतराज जताते हुए कहा, कानून के अनुसार सीआरपीसी की धारा 500(1) के तहत हिरासत में लिए जाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी का कारण बताया जाना जरूरी होता है। लगभग 2 घंटे तक किसी को कुछ भी नहीं बताया गया। निकटतम पुलिस स्टेशन पर भी नहीं ले जाया गया। घंटो बस में घुमाने के बाद छोड़ दिया गया। भारत में कानून तो बना दिए जाते हैं। लेकिन कानून का पालन वही लोग नहीं करते हैं, जिनके ऊपर कानून के पालन कराने की जिम्मेदारी होती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से धरना और प्रदर्शन की अनुमति देने में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अड़ंगेबाजी लगता है। तरह-तरह की ऐसी शर्तें लाद देता है। जिनका पालन करना आयोजक के लिए संभव ही नहीं होता है। जिला प्रशासन को ऐसा लगता है, कि धरना प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। ऐसी स्थिति में धारा 144 का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बरता भी बड़ी आम हो गई है। जब पुलिस और जिला प्रशासन ही नियमों का पालन नहीं करते हैं। तब स्थिति और भी विकट हो जाती है। किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा की पुलिस ने जिस तरह की बर्बरता किसानों के ऊपर की है।

उसे सारे देश ने देखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को किस तरह से रोका जाता है। किसानों के ऊपर जिस तरह से अश्रु गैस के गोले छोड़े गए। किसानों को रोकने के लिए जिस तरीके के अवरोध लगाए गए। दिल्ली प्रदर्शन के लिए जाने वाले किसानों को हरियाणा में ही रोक लिया गया। यह भी सारे देश ने देखा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जहां मानव अधिकार और कानून का राज है। उन नियमों-कानूनों को तोड़ने का काम यदि पुलिस करने लगती है। इससे स्थिति खराब होती है। सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों के ऊपर भी इसी तरीके के आरोप लगने लगे हैं। गिरफ्तारी के बाद भी कई दिनों तक अवैध रूप से हिरासत में रखने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई दिनों बाद गिरफ्तारी बताने के बाद कोर्ट में पेश किया जाता है। पीएमएलए कानून, जो ड्रग माफिया और आतंकवादियों के लिए बनाया गया था। सरकार और जांच एजेंसी उस कानून का उपयोग विपक्षी दलों के खिलाफ किया जा रहा हैं।

झारखंड में वर्ष 200।-08 में उड़द की फसल का क्षेत्रफल, उत्पादन व उत्पादकता क्रमश- 98,500 हेक्टेयर; 52,090 टन एवं 529 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था. वही मूंग के लिए क्षेत्रफल, उत्पादन व उत्पादकता क्रमश- 14,530 हेक्टेयर; ।,180 टन एवं 494 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था. अब वर्ष 2012-13 में बढ़कर उड़द का क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता क्रमश- 106,298 हेक्टेयर; 96,242 टन एवं 905 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गया. वहीं मूंग की फसल का क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता क्रमश- 26,096 हेक्टेयर, 16,358 टन एवं 62। किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गया है. उड़द व मूंग की खेती मिश्रित और शुद्ध दोनों रूपों में की जाती है. खरीफ के मौसम की ये दोनों महत्वपूर्ण फसल हैं. इसे खेत सुधारने वाली फसल भी कहते हैं तथा जानवर के चारा के रूप में भी प्रयोग करते हैं.

ऊंची भूमि व दोमट मिट्टी में करें

दलहन की खेती

उड़द में प्रोटीन की मात्र 23.5 प्रतिशत, काबरेहाइड्रेट ।1 प्रतिशत, वसा 18 प्रतिशत और मूंग में प्रोटीन की मात्र 25.6 प्रतिशत, काबरेहाइड्रेट 69. 2 प्रतिशत, वसा 1. 3 प्रतिशत के अलावा अन्य पोषक तव जैसे कैल्शियम, फॉस्फोरस, लोहा, पोटाश पाया जाता है. यह ऊर्जा का प्रमुख श्रोत है. उड़द में 38. 5 किलो और मूंग में 38.1 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है. झारखंड राज्य के वैसे हिस्सों में जहां पानी की सुविधा हो वहां गरमा मूंग की खेती करनी चाहिए और खरीफ मौसम में उड़द की खेती ज्यादा लाभकारी होती है. उड़द और मूंग की भरपूर पैदावार के लिए निम्नलिखित उत्पादन कारकों एवं विधियां को ध्यान में रखकर उड़द व मूंग की अच्छी पैदावार की जा सकती है =

भूमि का चुनाव

उड़द व मूंग की खेती विभिन्न प्रकार कीजमीन पर की जा सकती है. लेकिन अच्छे जल निकासी वाली ऊंची भूमि, दोमट मिट्टी जिसका पीएच मान 6. 0 से 6. 5 के बीच हो, वह उड़द व मूंग की खेती के लिए उपयुक्त है.

खेत की तैयारी

खेत की 2-3 बार देसी हल से जुताई करने के बाद पाटा आवश्यक है. खेत की अंतिम जुताई के समय क्लोरपायरीफॉस पांच प्रतिशत, धूल 25 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें, ताकि दीमक का प्रकोप कम हो सके. जरूरत के अनुसार ग्रीष्मकालीन फसल में 10 किलो फोरेट प्रति हेक्टेयर की दर से डालने से कीड़े के प्रकोप को कम किया जा सकता है

बीजोपचार

बीज जनित एवं मृदा जनित रोगों से फसल के बचाव के लिए बोने से पहले बीज को दो ग्राम बैविस्टीन प्रति किलोग्राम की दर से शोधित करना चाहिए इसके पश्चात कम से कम आंधे घंटे बाद कीटनाशक दवा इमिडाक्लोपरीड तीन मिलीलीटर या डाइमिथोएट पांच मिलीलीटर की मात्र को 50 मिलीलीटर पानी में घोल बना कर उसे एक किलोग्राम बीज में अच्छी तरह मिलाने के बाद छाया में सुखाकर बोआई करनी चाहिए इससे मृदा में उपस्थित हानिकारक कीटों से बचा जा सकता है. दीमक से बचाव के लिए छह मिलीलीटर क्लोरपायरीफॉस तरल का 50 मिलीलीटर पानी में घोल बनाकर उसे एक किलोग्राम बीज में अच्छी तरह मिलाने के बाद छाया में सुखाकर बोआई करनी चाहिए उड़द और मूंग की अच्छी पैदावार के लिए बीजों का राइजोबियम कल्चर तथा जहां पर भूमि में फॉस्फोरस की कमी है, वहां पर पीएसबी कल्चर 20 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से उपचार करना चाहिए राइजोबियम कल्चर के बीज से मिलाने के लिए आधा लीटर पानी में 100 ग्राम गुड़ डालकर घोल बनाकर उबाल लें और ठंडा कर लें. घोल ठंडा होने के बाद इस घोल में राइजोबियम कल्चर का एक पैकेट मिला दें तथा 10 किलो बीज के ऊपर से मिश्रण को मिलायें. इसके बाद उपचारित बीज को दो से तीन घंटे छाया में सुखाकर बोआई करें बीज उपचार करने का सही क्रम पहले फंफूदी, कीटनाशी, जीवाणुनाशी फिर राइजोबियम कल्चर तथा अंत मे पीएसबी कल्चर है

उन्नत किस्में

मूंग - झारखंड में इसकी खेती खरीफ तथा जायद (बसंत एवं ग्रीष्मकालीन) मौसम में होती है. पूसा विशाल व एसएमएल. 668 अच्छी किस्में हैं.
उड़द - बिरसा उड़द 1, पंत उड़द 19, उत्तरा.

बुआई एवं बीज दर

खरीफ उड़द एवं खरीफ मूंग की पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखी जानी चाहिए. बीज दर 25 किलो प्रति हेक्टेयर होना चाहिए तथा बोआई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई मध्य तक की जानी चाहिए बसंतकालीन या ग्रीष्मकालीन मूंग को पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी आठ सेंटीमीटर होती है. बीज दर 30 किलो प्रति हेक्टेयर उपयोग की जाती है. बसंतकालीन फसल की बोआई मार्च के प्रथम पखवारा में की जाती है तथा ग्रीष्मकालीन फसल की बोआई अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक की जाती है.

उर्वरक की मात्र

उड़द और मूंग की अच्छी पैदावार लेने के लिए 20 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए उर्वरकों की यह मात्र 100 किलोग्राम डीएपी, 33 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 125 किलोग्राम फास्फोजिप्सम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए यदि फॉस्फोरस सिंगल सुपर फॉस्फेट के रूप में खेत में देते हैं तो फसल को सल्फर भी उपलब्ध हो जाता है. तब फसल को 33 किलोग्राम यूरिया, 250 किलोग्राम एसएसपी तथा 33 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए जिन खेतों की मिट्टी अम्लीय हो उसमें चूना तीन-चार क्विंटल प्रति हेक्टेयर को कूड़ों में मिला कर प्रयोग करना चाहिए

कीट प्रबंधन

भूआ पिल्लू

यह कीट सड़ी पत्तियों को खासकर नुकसान पहुंचाता है. इसे खत्म करने प्रारंभिक अवस्था में कीट ग्रसित पौधों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें या डायक्लोरफॉस 0. 5-1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें. घोल में टिपाल या साबुन का घोल मिलाना लाभप्रद होता है.

रस चूसक कीट

इस वर्ग में सफेद मक्खी, थ्रीपस तथा माहू कीट आते हैं. ये कीट पौधों की कोमल टहनियों, पत्तियों एवं फूलों से रस चूसते हैं, जिसके पौधे कमजोर होकर सूखने लगते हैं. सफेद मक्खी से बचाव के लिए रोग ग्रसित पौधे खेत में दिखते ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा फसल पर 15 दिन के अंतराल पर आक्सीमिथाइलडेमेटान दवा एक मिली प्रति घोल छिड़काव करना लाभप्रद रहता है.

रोग प्रबंधन

पीला मोजौक रोग

यह एक विषाणु रोग है रोग से ग्रसित पौधे की कोमल पत्तियों पर पीले रंग के चितकबरे धब्बे हो जाते हैं और अंत में सारी पत्तियां पीली हो जाती है. खड़ी फसल में लक्षण दिखने पर ग्रसित पौधे को नष्ट कर देना चाहिए.

पत्ती का चीती रोग

इस रोग से ग्रसित पौधे की कोमल पत्तियों पर छोटे-छोटे गोल या कत्थई रंग के धब्बे बनते हैं. धब्बों का मध्य भाग भूरा या धूसर रंग का हो जाता है. बाद में धब्बे आपस में मिलकर अनियमित आकार के बड़े-बड़े धब्बे बना लेते हैं. परिणामस्वरूप पत्तियां झुलस का गिर जाती हैं. ये धब्बे शाखाओं व फलियों पर दिखायी पड़ते हैं. लक्षण दिखायी पड़ने पर इंडोफिल एम 45 नामक दवा का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव कर दें. आवश्यकता पड़ने पर 10 से 12 दिनों के अंतराल दूसरा छिड़काव करें.

फसल की कटनी तथा दौनी

जब फलियों के रंग भूरे होने लगे तब उसे तोड़ लेना चाहिए फसल को तीन से चार दिनों तक धूप में अच्छी तरह सूखाएं, ताकि बीज की नमी प्रतिशत से कम हो जाए तथा साफ कर भंडारण करना चाहिए

उपज क्षमता

गरमा मूंग के लिए उपज क्षमता 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर एवं खरीफ उड़द के लिए उपज क्षमता 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है.

खर-पतवार नियंत्रण

खर-पतवार से 30 से 40 प्रतिशत तक की उपज में कमी होती है. उड़द और मूंग की निकाई-गुड़ाई दो बार करनी चाहिए पहली बोआई के 20 दिनों बाद व दूसरी 40 दिनों के बाद करनी चाहिए. खरपतवारनाशी रसायन पेंडीमिथेलिन 2.5-3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी का घोल बनाकर बोआई के तुरंत बाद छिड़कना चाहिए. इससे नियंत्रण नहीं होने से इमाजेथापायर 400 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से 20 दिनों के बाद छिड़काव करना चाहिए

खाद बनाने हेतु प्रयुक्त सामग्री

पौधों की पत्तियों, टहनियों, डंठल, भूसा, पैरा कुट्टी, घर से प्राप्त सब्जियों के टुकड़े आदि को छोटे-छोटे काटकर बांट देना चाहिए। घर और खेत पर उपलब्ध जानवरों के गोबर को उनके मूत्र के साथ एकत्रित करना चाहिए। जानवरों के बिछावन को इकट्ठा करने के लिए पशुशाला में भूसा, लकड़ी बुरादा या रेत का बिछावन बिछाना चाहिए और इसे 10-15 दिनों में हटाते रहना चाहिए। जानवरों के मूत्र को एक सामान्य कांक्रीट टैंक में इकट्ठा करते रहना चाहिए।

गोबर और कचरा संग्रह करने का तरीका

खाद के गड्ढे को भरने से पूर्व उसे घर या प्रक्षेत्र पर पहले अलग-अलग एकत्रित करना चाहिए। इसके लिए दो छोटे और गहरे गड्ढे बनाए जाते हैं। इन गड्ढों में मल-मूत्र और इनका बिछावन और वनस्पतिक कचरे को अलग-अलग गड्ढों में इकट्ठा किया जाता है। पौध अवषेष, पत्ती, टहनी, डंठल, घर से प्राप्त सब्जी के टुकड़े को बारीक कर गड्ढे में नियमित रूप से गोबर के घोल से तर करके मिलाते रहना चाहिए। इन पदार्थों से पत्थर के टुकड़े, प्लास्टिक इत्यादि को अलग कर देना चाहिए। खाद गड्ढे का आकार 6 मीटर लंबा, डेढ़ मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा होना चाहिए। हालांकि पषुधन की संख्या और आवष्यकतानुसार आकार को छोटा-बड़ा कर सकते हैं। गड्ढे का आकार यदि बड़ा हो तो उसे 2 या 3 बराबर भागों में बांट लेना चाहिए। खाद भरते समय जब पहला भाग भूतल से 45 सेमी. ऊंचा हो जाए तो उसे ढेर के रूप में बनाकर गोबर के घोल व मिट्टी से ढक देना चाहिए। फिर गड्ढे के शेष

मिट्टी की स्थिति की अनदेखी की जा रही है। इसके कई दुष्परिणाम हमारे समक्ष धीरे-धीरे प्रकट हो रहे हैं। मिट्टी के प्राकृतिक गुण धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक गुण के अभाव में उत्पादन लागत में वृध्दि हो रही है। मिट्टी में जीवांष या कार्बनिक पदार्थों की कमी के कारण गर्मियों में भूमि के ऊपरी भाग का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो जाता है।

कचरे से तैयार करें

उत्तम खाद

भारतीय कृषि क्षेत्र में पिछले चार दषकों से फसल उत्पादन में जो वृध्दि आई है, इसका मुख्य कारण उन्नत तकनीकों को अपनाया जाना और अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाषकों का प्रयोग है। अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इन कृत्रिम पदार्थों का भारी मात्रा में प्रयोग किया जा रहा है। मिट्टी की स्थिति की अनदेखी की जा रही है। इसके कई दुष्परिणाम हमारे समक्ष धीरे-धीरे प्रकट हो रहे हैं। मिट्टी के प्राकृतिक गुण धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक गुण के अभाव में उत्पादन लागत में वृध्दि हो रही है। मिट्टी में जीवांष या कार्बनिक पदार्थों की कमी के कारण गर्मियों में भूमि के ऊपरी भाग का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो जाता है। मिट्टी की नमी ज्यादा देर तक नहीं रहती है। इससे खेतों में दरारें पड़ने लगती हैं। निम्न जल धारण क्षमता के कारण सिंचाई जल की आवष्यकता बहुत अधिक बढ़ जाती है और संसाधनों का दुरूपयोग होता है। कृषकों को यह बात जानना अति आवष्यक है कि मिट्टी एक भौतिक माध्यम ही नहीं, अपितु जीवित माध्यम भी है, जिसमें असंख्य लाभकारी सूक्ष्म जीव निवास करते हैं, जो विभिन्न तरीकों से पौधों का पोषण करते हैं। अतः मिट्टी में इनकी संख्या सुनिष्चित करना अति आवष्यक है, जो जीवांष या कार्बनिक पदार्थों द्वारा ही संभव है। इसके लिए प्रत्येक कृषक को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जिससे उनके फार्म पर या घर में उपलब्ध कूड़ा-कचरा, जानवरों के मल-मूत्र, पौधों के अवषेष आदि का उपयोग एक उत्कृष्ट प्रकार के कंपोस्ट बनाने में कर सकते हैं। अधिकांष किसानों के बाड़ी या प्रक्षेत्र में स्वनिर्मित खाद के गड्ढे होते हैं। कृषक इस गड्ढे का उपयोग खाद बनाने में करते हैं।

खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि

जानवरों के मल-मूत्र, बिछावन और वनस्पति कचरों का संग्रह तब तक इन छोटे-छोटे गड्ढों में करना चाहिए जब तक कि दिए गए गड्ढों के आकार के अनुसार पूर्ति न हो जाए। गड्ढे भरने के पूर्व इन पदार्थों में प्रति क्विंटल कचरे की दर से एक किलोग्राम रॉक फास्फेट का प्रयोग करना चाहिए, जो कि सस्ता और आसानी से उपलब्ध हो जाता है। संग्रहित कचरों का उपयोग गड्ढा के पहले भाग में भराई हेतु विभिन्न परतों में डालना चाहिए। सर्वप्रथम गड्ढों की साफ-सफाई कर उसकी सतह को मिट्टी या बालू से दबाकर ठोस बनाएं, फिर उसे गोबर के घोल से तर करें। इसके बाद पहली परत के रूप में वनस्पतिक कचरे का तीन से चार इंच परत में एक समान बिछाएं, जिसे गोबर के घोल से तर करें। इसी क्रम में गड्ढा भराई को पूर्ण करें। भराई का कार्य भूतल सतह से 45 सेमी. ऊंचा करें। फिर उसे ढेरी बनाकर मिट्टी और गोबर के घोल से लिप दें। बिल्कुल यही प्रक्रिया गड्ढे के शेष भाग में दोहरानी चाहिए, जिसके बनाने का क्रम निष्चित करें। अपघटन प्रक्रिया के लिए सत्तर फीसदी नमी होनी चाहिए, जिसकी पूर्ति के लिए नियमित जल दें। 20 से 25 दिनों बाद जब गलन प्रक्रिया से उत्पन्न गर्मी कम हो जाए, तब खाद के विभिन्न परतों में सूक्ष्म जीव ट्राइकोडर्मा विरडी का छिड़काव करें। यह बाजार में आसानी से उपलब्ध है। इससे खाद की गलन क्रिया और गुणवता में वृध्दि होती है। 6 से 8 दिनों बाद खाद पलटने का कार्य करें। इसमें प्रत्येक परत का पलटा जाना आवष्यक है। खाद पलटने की प्रक्रिया तीन बार हर पंद्रह दिनों में करें। यह क्रिया ढाई माह तक करते रहें। अंतिम बार पलटने के समय जैव उर्वरक जैसे राइजोबियम (दलहन फसलों के लिए), पीएसबी, एजोटोबैक्टर एजोस्पाइरिलम आदि खाद में मिश्रित करें। इससे खाद में लाभकारी जीवाणु की संख्या बढ़ती है और खाद की गुणवत्ता अधिक बढ़ जाती है। इसके एक माह बाद खाद का प्रयोग खेतों में करें। इसे खेतों में समान रूप से फैलाना चाहिए। कंपोस्टिंग या सड़न की आसान प्रक्रिया को जानकर किसान स्वयं अपने परंपरागत गड्ढे से कम समय में उत्तम गुणों वाली खाद बना सकता है, जिसमें जीवांष और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं।

सेबी ने प्रभु स्टील, उसके प्रवर्तकों पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

मुंबई । बाजार नियामक सेबी ने प्रभु स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीएसआईएल) और इसके प्रवर्तकों पर नियामकीय मानदंडों के उल्लंघन के मामले में कुल 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आदेश में कहा कि पीएसआईएल और उसके प्रवर्तकों हरीश गंगाराम अग्रवाल, दिनेश गंगाराम अग्रवाल और अक्षिता हरीश अग्रवाल पर तीन-तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है। इसके साथ ही सेबी ने जुर्माना 45 दिन के भीतर जमा करने का निर्देश दिया। सेबी को 14 फरवरी, 2022 को पीएसआईएल के मामले में राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण से एक समीक्षा रिपोर्ट मिली थी जिसमें कंपनी के लेखांकन और लेखा-परीक्षा मानकों के संबंध में गंभीर खामियों का जिक्र किया गया था। इसके बाद सेबी ने प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम और खुलासा नियमों के प्रावधानों के तहत पीएसआईएल के वित्तीय विवरणों में गलत बयानी की जांच की थी। इसमें पाया गया कि पीएसआईएल ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए गलत खुलासे और वित्तीय विवरण पेश किए थे।

वित्त वर्ष 2023-24 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत बढ़कर 42,18,746 इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल यात्री वाहन आपूर्ति 38,90,114 इकाई रही थी। सियाम की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.3 प्रतिशत बढ़कर 1,79,74,365 इकाई रही, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 1,58,62,771 इकाई थी। समीक्षाधीन अवधि में सभी श्रेणियों में वाहन बिक्री 12.5 प्रतिशत बढ़कर 2,38,53,463 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2022-23 में 2,12,04,846 इकाई थी।

एयर इंडिया के पांच नए संपर्क केंद्र शुरू

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने दुनिया भर में अपने ग्राहकों को सहायता देने के लिए काहिरा और कुआलालंपुर सहित पांच स्थान पर नए संपर्क केंद्र खोल दिए हैं। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने मुंबई, काहिरा और कुआलालंपुर में केंद्रों से प्रीमियम सेवाओं का प्रबंधन करने के लिए कैलिफोर्निया मुख्यालय वाली ग्राहक सहभागिता कंपनी कॉन्सेंट्रिक्स के साथ साझेदारी की है। इसके अलावा वाहक ने घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नोएडा और बेंगलुरु में संपर्क केंद्र संचालित करने का काम आईएनजाइज़र को सौंपा है। इसमें कहा गया है कि शिकायत प्रबंधन डेस्क ग्राहकों के सभी सवालों, समस्याओं का तुरंत समाधान करता है और चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करता है।

भारती हेक्साकॉम का शेयर 32 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । भारती समूह की कंपनी भारती हेक्साकॉम का शेयर निर्गम मूल्य 570 रुपये से 32 प्रतिशत से अधिक उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 32.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 755.20 रुपये पर कारोबार शुरू किया। बाद में यह 44.68 प्रतिशत चढ़कर 824.70 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 32.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 755 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 40,637.50 करोड़ रुपये रहा। भारती हेक्साकॉम के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पांच अप्रैल को निर्गम के अंतिम दिन 29.88 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का 4,275 करोड़ रुपये का आईपीओ तीन-पांच अप्रैल तक खरीद के लिए खुला था। कंपनी ने प्रति शेयर 542-570 रुपये का मूल्य दायरा तय किया था। भारती हेक्साकॉम राजस्थान और पूर्वोत्तर में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करती है। भारती समूह का आखिरी आईपीओ वर्ष 2012 में आया था। तब उसकी इकाई भारती इन्फ्राटेल (अब इंडस टावर्स) आईपीओ लाई थी।

मूडीज ने बताया 2024 में 6.1 फीसदी से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में 6.1 फीसदी बढ़ेगी, जो 2023 में हुई 7.7 फीसदी की वृद्धि से कम है। मूडीज एनालिटिक्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा, दक्षिण व दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में इस साल सबसे मजबूत उत्पादन लाभ देखने को मिलेगा, लेकिन वैश्विक महामारी के बाद देरी से वापसी के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। हमें उम्मीद है कि भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पिछले साल 7.7 फीसदी के बाद 2024 में 6.1 प्रतिशत बढ़ेगी।'' रिपोर्ट में कहा गया कि कुल मिलाकर यह क्षेत्र दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि एपीएसी (एशिया प्रशांत) अर्थव्यवस्था इस साल 3.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। विश्व अर्थव्यवस्था 2.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। मूडीज ने कहा, वैश्विक महामारी से पहले के प्रक्षेपवक्र के सापेक्ष जीडीपी को देखने से पता चलता है कि भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया ने दुनिया भर में सबसे बड़े उत्पादन घाटे को देखा है और यह महज ठीक होने की शुरुआत हुई है। मुद्रास्फीति के संबंध में इसमें कहा गया है कि चीन और भारत के लिए परिदृश्य अधिक अनिश्चित है। इस महीने की

शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा था कि खाद्य मूल्य अनिश्चितताएं भविष्य में मुद्रास्फीति पर असर डाल सकते है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 4.5 फीसदी खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान बरकरार है।

मस्क का दावा, मेटा विज्ञापन के बारे में झूठ बोलता

वाशिंगटन । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाला मेटा विज्ञापन के बारे में झूठ बोलता है, जबकि उनका एक्स फेसबुक के मालिक की तुलना में बेहतर रिटर्न देता है। टेक अरबपति ने कहा, हमारी विज्ञापन प्रासंगिकता में काफी सुधार हुआ है। एक अन्य एक्स यूजर ने कहा कि मेटा पर विज्ञापन लागत में वृद्धि और आरओएएस (विज्ञापन व्यय पर रिटर्न) में कमी की प्रवृत्ति जारी है और ऐसा लगता है कि स्थिति और बदतर हो रही है। मस्क ने कहा, विज्ञापन प्रासंगिकता और मेटा तक पहुंच पर विज्ञापनदाताओं का कोई नियंत्रण नहीं है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अब हम एक्स पर इतने सारे नए विज्ञापनदाताओं को शामिल कर रहे हैं। जवाब में, मस्क ने लिखा, एक्स पर विज्ञापन दें। इस साल फरवरी में, मस्क द्वारा संचालित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने विज्ञापनदाताओं को क्रिएटर टारगेटिंग कार्यक्रम के माध्यम से प्लेटफॉर्म पर कुछ सामग्री निर्माताओं के बगल में विज्ञापन चलाने की अनुमति दी। विज्ञापनदाताओं को अपने विज्ञापनों को विवादास्पद या आपत्तिजनक सामग्री के बगल में प्रदर्शित होने से रोकने की अनुमति भी है।

टाटा स्टील के ब्रिटिश संयंत्र के कर्मचारी हड़ताल पर जाएंगे

लंदन ।

टाटा स्टील के लगभग 1,500 कर्मचारियों ने ब्रिटेन के वेल्स में स्थित दो संयंत्रों में ब्लास्ट फर्नेस बंद करने और 2,800 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना के विरोध में हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। मुंबई मुख्यालय वाली इस्पात कंपनी ने कहा कि वह इस मुद्दे पर सलाह प्रक्रिया जारी रहने के बीच कर्मचारियों के इस कदम से निराश है। टाटा स्टील ने कहा कि नई इलेक्ट्रिक प्रौद्योगिकी की तरफ बदलाव को देखते हुए उसकी पुनर्गठन योजनाएं व्यवसाय को बनाए रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए फर्नेस बंद करने और 2,800 नौकरियां खत्म करने की योजना बनाई गई थी। इस बीच कर्मचारी संगठन यूनाइट द यूनियन ने कहा कि टाटा स्टील के पोर्ट टालबोट और न्यूपोर्ट लानवर्न संयंत्रों में कार्यरत कर्मचारियों ने विनाशकारी योजनाओं के खिलाफ मतदान किया है क्योंकि वे कंपनी के नजरिये से सहमत नहीं हैं। कर्मचारी संगठन के महासचिव शेरोन ग्राहम ने हड़ताल पर जाने के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस्पात श्रमिकों ने 1980 के दशक के बाद से इस तरह हड़ताल करने के पक्ष में मत नहीं दिया है। कर्मचारियों ने यह मतदान हड़ताल की स्थिति में बढ़ा हुआ अतिरिक्त पैकेज वापस ले लेने की टाटा की धमकी के बावजूद किया है। इसके साथ ही कर्मचारी संगठन ने कहा कि अधिकतम प्रभाव पैदा करने के लिए निर्धारित हड़ताल की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली से आई है। इसके अलावा एशियाई बाजारों में कमजोर कारोबार से भी बाजार पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 793.25 अंक करीब 1.06 फीसदी नीचे आकर 74,244.90 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 27 के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 234.40 अंक तकरीबन 1.03 फीसदी टूटकर 22,519.40 पर बंद हुआ। इस दौरान 45 शेयर नुकसान में रहे। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, मारुति, पावर ग्रिड, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर टूटकर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और नेस्ले के शेयर बाजार में गिरावट के बाद भी लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का टोक्यो बढ़त पर रुख में बंद हुआ जबकि जबकि सियोल, शांघाई और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए। यूरोपीय बाजार पॉजिटिव क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस बढ़त पर बंद हुए। इस बीच, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.95 फीसदी बढ़कर 90.56 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 2,778.17 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

अमेरिका में उम्मीद से अधिक मुद्रास्फीति दर के कारण वैश्विक बाजारों में गिरावट आई, जिससे यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में

कटौती की उम्मीदें कम हो गईं। हालांकि शुक्रवार को एशिया-प्रशांत बाजारों में मिलाजुला रुझान दिखा क्योंकि निवेशकों ने सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के आर्थिक आंकड़ों का मूल्यांकन किया। इसके अलावा चीन के व्यापार आंकड़ों का भी इंतजार है। अमेरिकी बाजार में एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट दोनों मे क्रमशः 0.74 प्रतिशत और 1.68 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। जबकि डाउ और जोंस एक दायरे में बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों की वजह से हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखाई दिए। बीएसई सेंसेक्स 160 अंक गिरकर 74,874 पर और एनएसई निफ्टी 50 57 अंक बढ़कर 22,697 पर कारोबार कर रहा था।

मालदीव पर्यटकों को लुभाने भारतीय शहरों में करेगा रोड शो

- मालदीव में भारतीय पर्यटकों के न पहुंचने से बिगड़ने लगी उसकी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली।

चीन के बहकावे में आकर भारत से पंगा लेने की वजह से मालदीव में भारतीय टूरिस्टों के न पहुंचने से उसकी अर्थव्यवस्था पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। इसे लिए वह पर्यटकों को लुभाने के लिए भारतीय शहरों में रोड शो करने की योजना बना रहा है। दरअसल, दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट जारी है। यही वजह है कि मालदीव में एक प्रमुख पर्यटन निकाय ने घोषणा की है कि वे भारतीय पर्यटकों को वापस लुभाने के लिए भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेंगे। बता दें कि मालदीव को भारतीय टूरिस्टों की ओर से बहिष्कार अभियान का सामना तब करना पड़ा, जब इसी साल जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान लक्षद्वीप की तुलना मालदीव से की थी, जिसके बाद मालदीव के मंत्रियों सहित कई अधिकारियों ने पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। मालदीव की ओर से विवादित टिप्पणियों के बाद भारतीयों ने मालदीव का बहिष्कार करना शुरू कर दिया था और लक्षद्वीप को टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर प्रमोट करने लगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 8 अप्रैल को माले में भारतीय उच्चायुक्त के साथ चर्चा के बाद मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स ने भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करने सहित यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने की योजना की घोषणा की थी। पर्यटन निकाय ने एक बयान में कहा` कि भारत के प्रमुख शहरों में एक व्यापक रोड शो शुरू करने और आगामी महीनों में मालदीव में प्रभावशाली लोगों और मीडिया परिचित यात्राओं को सुविधाजनक बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इतना ही नहीं एसोसिएशन ने कहा कि मालदीव के पर्यटन के लिए भारत एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। उसने कहा कि वे मालदीव को एक प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए भारत भर के प्रमुख ट्रैवल एसोसिएशन और इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर्स के साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर हैं। दरअसल, मालदीव के पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत संग राजनयिक विवाद के बाद मालदीव में पर्यटन के लिए आने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। 2023 में मालदीव का दौरा करने वाले 17 लाख से अधिक पर्यटकों में से अधिकांश भारतीय (2,09,198) थे, उसके बाद रूसी और चीनी थे। हालांकि, राजनयिक तनाव के बाद के हफ्तों में भारतीयों की संख्या पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

वोडाफोन आइडिया ने 18,000 करोड़ के एफपीओ की घोषणा की

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने 18,000 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि एफपीओ 18 अप्रैल को खुलकर 22 अप्रैल को बंद होगा। इसकी न्यूनतम कीमत 10 रुपये और अधिकतम सीमा 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित की गई है। वोडाफोन आइडिया बीएसई को दी जानकारी में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने अपनी बैठक में 18,000 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को मंजूरी दे दी। कंपनी के अनुसार पूंजी जुटाने वाली समिति ने आज यानी 12 अप्रैल को हुई अपनी बैठक में एफपीओ जारी करने के लिए मूल्य दायरे को मंजूरी दे दी।

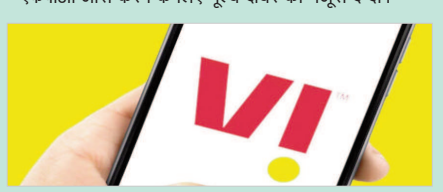

लोकसभा चुनाव के बाद मोबाइल फोन रिचार्ज हो जाएगा महंगा

- दूरसंचार उद्योग में 15-17 प्रतिशत शुल्क बढ़ोतरी का अनुमान

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव बाद मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों ने टैरिफ बढ़ाने की तैयारी कर ली है। यानी कि चुनावों के बाद मोबाइल रिचार्ज कराना महंगा हो जाएगा। हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आम चुनाव के बाद दूरसंचार उद्योग में 15-17 प्रतिशत शुल्क बढ़ोतरी का अनुमान है। देश में 19 अप्रैल से एक जून तक 7 चरणों में आम चुनाव होंगे। 4 जून को मतगणना की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार दूरसंचार क्षेत्र में शुल्क वृद्धि काफी दिनों से पेंडिंग है और ऐसा माना जा रहा कि चुनावों के बाद इसमें बढ़ोतरी तय है। इसका सबसे ज्यादा लाभ भारती एयरटेल को होगा। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव के बाद उद्योग 15-17 प्रतिशत शुल्क बढ़ोतरी करेगा। आखिरी बार दिसंबर, 2021 में शुल्क में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इसका मतलब है कि करीब 3 साल बाद टैरिफ में बढ़ोतरी की जाएगी। 17 फीसदी बढ़ोतरी होने पर 300 का रिचार्ज 351 रुपये का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारती एयरटेल का ग्राहक आधार प्रति वर्ष करीब दो प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि उद्योग में प्रति वर्ष एक प्रतिशत की वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा गया कि वोडाफोन आइडिया की बाजार हिस्सेदारी सितंबर, 2018 के 37.2 प्रतिशत से घटकर दिसंबर, 2023 में करीब आधी यानी 19.3 प्रतिशत रह गई है। भारती की बाजार हिस्सेदारी इस दौरान 29.4 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गई है। जियो की बाजार हिस्सेदारी इस दौरान 21.6 प्रतिशत से बढ़कर 39.7 प्रतिशत हो गई है।

आरबीआई ने शिरपुर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक पर लगाया प्रतिबंध

- अगले 6 महीने तक अपने बैंक खाते से पैसे नहीं निकाल पाएंगे ग्राहक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिगड़ती वित्तीय स्थिति को देखते हुए महाराष्ट्र के शिरपुर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि शिरपुर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक पर 8 अप्रैल 2024 को कारोबार बंद होने से लगे अगले 6 महीने तक प्रतिबंध लागू रहेगा। हालांकि, रिजर्व बैंक ने कहा कि इन निर्देशों को बैंक का लाइसेंस कैंसिल किये जाने के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। अभी सिर्फ बैंक के कामकाज पर अगले 6 महीने तक का प्रतिबंध लगाया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक कुछ प्रतिबंधों के साथ बैंकिंग कारोबार करना जारी रख सकता है।

यह पहली बार नहीं है जब आरबीआई ने ग्राहकों को इस तरह

के निर्देश दिए हैं। आरबीआई ने कहा कि एलिजिबल डिपॉजिटर्स को डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन से 5 लाख रुपए तक का पैसा ग्राहकों को पाने का हक होगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देशभर में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है। देश में हर दिन सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी करती हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

दालों के भंडारण और जमाखोरी रोकने के लिए केंद्र ने दिए राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सभी भंडारण इकाइयों द्वारा दालों के भंडार पर साप्ताहिक रिपोर्ट की व्यवस्था लागू करने को कहा है। साथ ही जमाखोरी और बाजार में हेरफेर को रोकने के लिए उनके द्वारा घोषित भंडार को सत्यापित करने के लिए कहा है, ताकि कीमतों को बेकाबू होने से रोका जा सके। उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा राज्यों को जारी आदेश में कहा गया है कि प्रमुख बंदरगाहों और उद्योग केंद्रों में स्थित गोदामों में दालों के भंडार को समय-समय पर सत्यापित करना चाहिए और भंडार प्रकटीकरण पोर्टल पर गलत जानकारी देने वाली इकाइयों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने भंडारण इकाइयों द्वारा दालों के भंडार प्रकटीकरण को लागू करने के लिए 5 अप्रैल को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जारी निर्देश के बाद राज्य सरकारों के अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। खरे ने आयात और भंडार प्रकटीकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दाल आयातक संघों और अन्य दाल उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की। प्रतिभागियों ने सामान्य रूप से दाल उद्योग और विशेष रूप से आयात पर अपने विचार और इनपुट साझा किए।

आयातकों और कंपनियों को साप्ताहिक आधार पर आयातित पीली मटर सहित दालों के अपने भंडार की घोषणा करने के लिए कहा गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संबंध में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने पीले मटर को शामिल करने के लिए भंडार प्रकटीकरण पोर्टल को नया रूप दिया है और बिग चेन रिटेलर को एक इकाई के रूप में पेश किया है जो 15 अप्रैल 2024 से चालू हो जाएगा।

पांच प्रमुख दालों – अरहर, उड़द, चना, मसूर और मूंग के अलावा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आयातित पीली मटर के संबंध में स्टॉक की स्थिति की निगरानी करने के लिए कहा गया है। इसी तरह, बाजार में सुचारू और निरंतर उपलब्ध कराने के लिए आयातकों के पास तुअर, उड़द और मसूर के भंडार की निगरानी की जानी है।

आईपीएल 2024 में आज होगा पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 सत्र में शनिवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। उसके लिए हालांकि ये बेहद कठिन है क्योंकि राजस्थान रॉयल्स की टीम ने इस सत्र में सबसे अधिक चार जीत हासिल की है और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर है। उसे पिछले मैच में एकमात्र हार मिली थी। तब वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में दो रन से हार गयी थी। ऐसे में इस मैच में राजस्थान की टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। पिछले मैच में गुजरात के राशिद खान ने अंतिम ओवर में राजस्थान के हाथों से जीत छीन ली थी। कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक कुछ विशेष नहीं रहा है। टीम को 5 मैचों में 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम को लाभ होगा। इसमें पावरप्ले के दौरान तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी। ऐसे में यहां शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी करनी होगी। पंजाब किंग्स के लिए चिंता की बात ये है कि कप्तान धवन को छोड़कर अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना रहे हैं। उसके शीर्ष क्रम का कोई भी बल्लेबाज अब तक प्रभावी नहीं रहा है। इसके साथ ही मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी खराब रहा है। वहीं राजस्थान के पास कप्तान संजू सैमसन के अलावा कई अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। रॉयल्स को इस मैच में पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह से सावधान रहना होगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने काफी प्रभावी गेंदबाजी की थी।

टीम

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान।

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कैगिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल के अभियान प्रमुख का पद छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक के लिए अभियान प्रमुख का पद छोड़ दिया है। मैरी कॉम ने कहा कि ये एक बड़ा सम्मान है पर निजी कारणों से वह ये जिम्मेदारी उठाने में असमर्थ हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा को लिखे अपने पत्र में मैरी कॉम ने कहा कि वह अभियान प्रमुख की जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहती हैं। मैरी कॉम ने कहा ,'' देश की किसी भी रूप में सेवा करना गर्व की बात है पर अभी मैं इसके लिये मानसिक रूप से तैयार नहीं हूं।''

उन्होंने कहा ,'' इस प्रकार से पीछे हटने को मैं अच्छा नहीं मानती हूं पर मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। साथ ही कहा कि मैं ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे अपने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिये हमेशा ही तैयार रहूंगी।''

आईओए ने 21 मार्च को ही उनकी नियुक्ति की घोषणा की थी। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेत मैरी कॉम को 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों में भारतीय दल का अभियान प्रमुख बनाया गया था।

वहीं उषा ने अपने एक बयान में कहा ,'' हमें दुख है कि ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज और आईओए एथलीट आयोग की प्रमुख मैरी कॉम निजी कारणों से अभियान प्रमुख पद से हट गई हैं। हम उनके फैसले और निजता का सम्मान करते हैं। उनके विकल्प के बारे में घोषणा शीघ्र होगी।''उन्होंने कहा ,'' मैं उनके अनुरोध को समझती हूं और उनके फैसले का सम्मान करती हूं। मैंने उनसे कहा है कि आईओए और मेरा सहयोग हमेशा उनके साथ है।''

सिराज थके हुए हैं.. मानसिक थकान दूर करने के लिए आराम लें : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह को लगता है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के संघर्षरत तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया जाना चाहिए ताकि वह अपनी फॉर्म वापस हासिल कर सकें। सिराज मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में सिर्फ 4 विकेट ले पाए हैं। उन्होंने 22 ओवरों में 229 रन दिए हैं। हरभजन का मानना है कि सिराज 'थके हुए' लग रहे हैं और उन्हें कुछ मैचों में आराम देने की जरूरत है ताकि वह अपनी फॉर्म वापस हासिल कर सकें। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि सिराज फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्हें अपने शरीर के साथ-साथ दिमाग को भी आराम देने की जरूरत है। वह थके हुए लग रहे हैं। वह पिछले कुछ मैचों से फॉर्म के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब कोई गेंदबाज फॉर्म के लिए संघर्ष कर रहा हो तो सबसे अच्छी बात यह है कि उसे आराम दीजिए। हरभजन ने कहा कि टीमों को चुनौती देने के लिए वास्तव में एक कारक बनने के लिए उन्हें बहुत सुधार करना होगा। जैसे केकेआर के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए, बल्लेबाजों को रन बनाते हुए देखना अच्छा है, लेकिन उन्हें टीम में अच्छे गेंदबाजों और सकारात्मक सोच की जरूरत है। वे इसे

बिल्कुल भी ठीक से करने में सक्षम नहीं हैं, वे बुरे गेंदबाज नहीं हैं। आप टॉपले को देखें, आप सिराज को देखें, वे अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज हैं और मेरा मानना है कि कुछ गड़बड़ है, उन्हें अपना गेमप्लान ठीक से नहीं मिल रहा है, वे उन क्षेत्रों में गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं जहां बल्लेबाज कमजोर हैं। मुझे लगता है कि वे बस दौड़ रहे हैं और पिच के अंदर या बल्ले तक गेंदबाजी कर रहे हैं, खिलाड़ियों की कमजोरी के बारे में नहीं सोच रहे हैं। इशान किशन को गेंदबाजी करते समय आपको गेंद को वापस उनके पास ले जाना होगा और उन्हें कोई जगह नहीं देनी होगी। यह सभी के लिए बिल्कुल मुफ्त है। हरभजन ने आरसीबी के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि आरसीबी कैसे जीतेगी, उनके पास अच्छी गेंदबाजी नहीं है, उनके पास बल्लेबाज हैं लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वे जितने भी रन बनाते हैं वह हमेशा कम होते हैं।

आईपीएल 2024: जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी से डरते हैं SKY, कहा- 'वह या तो मेरा बल्ला तोड़ देता है या मेरा पैर'

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल 2024 में जीत की पटरी पर लौट चुकी है। गुरुवार को उसे आरसीबी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत नसीब हुई है। वहीं इस मैच में मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए। वहीं टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 19 गेंद में 52 रन की धमाकेदार पारी खेली। वहीं मैच जीतने के बाद सूर्या ने कहा कि प्रैक्टिस सेशन के दौरान नेट में जसप्रीत बुमराह का सामना करने में उन्हें डर जलगता है।

जसप्रीत बुमराह के पांच विकेट हॉल, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के धमाकेदार अर्धशतक की बदौलत MI ने आरसीबी को सात

विकेट से मात दी। सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंद में पांच चौके और 4 छक्कों की बदौलत 52 रन बनाए, उनकी इस पारी की बदौलत मुंबई की टीम 27 गेंद शेष रहते मैच जीत गई। इससे उसका रन रेट भी बेहतर होगा।

मैच के बाद सूर्या ने कहा कि, वानखेड़े में वापस आकर अच्छा लगा। जब टूर्नामेंट शुरू हुआ मैं मानसिक रूप से यहीं था। हालांकि, शरीरिक रूप से बैंगलोर में था। ऐसा लग रहा है कि मैंने कभी छोड़ा नहीं। जब आप 200 का पीछा कर रहे हो तो ये जानना जरूरी है कि ओस का प्रभाव पड़ेगा। रोहित और ईशान ने 10 ओवर में ही अपना काम कर दिया और हमें पता था कि नेट रन रेट को बेहतर करने के लिए मैच को जल्दी खत्म करना होगा। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने आगे कहा कि वह सिर्फ मैदान के अनुसार खेलने की कोशिश करते हैं और अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में इन शॉट्स का अभ्यास करते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि, मैं फील्ड के हिसाब से खेलता हूं और इन शॉट की प्रैक्टिस करता हूं। मैं वहां जाता हूं और एन्जॉय करता हूं। पॉइंट के ऊपर से जो शॉट मारा, वो काफी अच्छा रहा। ईशान ने अपनी बल्लेबाजी पर काम किया है। लगभग 2-3 साल हो गए हैं जब मैंने नेट्स में उसके खिलाफ बल्लेबाजी की थी। क्योंकि वह या तो मेरा बल्ला तोड़ देता है या मेरा पैर तोड़ देता है।

अगरकर ने विराट की प्रशंसा करते हुए कहा, उन्होंने फिटनेस के नये मानक स्थापित किये

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के प्रमख अजीत अगरकर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। अगरकर ने कहा है कि विराट ने फिटनेस के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक स्थापित किये हैं जिससे खेल को लाभ हुआ है। विराट से प्रेरित होकर अन्य युवा खिलाड़ी भी अब अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। अगरकर ने कहा, भारतीय क्रिकेट में अच्छी बात यह है कि अब आपके पास चयन के लिए बहुत बड़ा पूल है, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। पिछले एक दशक से अधिक समय के अंदर जो बड़ा अंतर आया है उसे आप देख सकते हैं। विराट उन लोगों में से एक हैं, जिन्होंने फिटनेस को लेकर एक बेंचमार्क स्थापित किया है, और अब अपने 15 साल के करियर में वह और भी फिट हो गए हैं। इस प्रकार जो भी खिलाड़ी प्रभावित होकर उनके जैसे बनने का प्रयास कर रहे है , उससे एक माहौल बनता है ओर फिटनेस पर अधिक से अधिक खिलाड़ी ध्यान देते हैं। अगरकर ने बड़े स्तर पर देश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें निखारने के लिए आईपीएल की भूमिका की भी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि हर साल, आईपीएल नई प्रतिभाओं को सामने लाता रहता है।

धोनी की कमाई 1040 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की लोकप्रियता और कमाई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अब धोनी की नेट वर्थ 1040 करोड़ रुपये से भी ऊपर निकल गयी है। धोनी को आजकल विज्ञापन के अलावा कई कारोबारों से कमाई होती है। धोनी के फार्महाउस हैं जहां सब्जियों के साथ ही कई

प्रकार के फल भी होते हैं। इसके अलावा वह सेवन नाम से एक कपड़ों का ब्रांड भी चलाते हैं। उनकी एक एक स्पोर्ट कंपनी भी है, इसके अलावा करोड़ों के विज्ञापनों भी उनके पास है। इसके अलावा धोनी कई और कारोबार भी कर रहे हैं। इससे उन्हें हर साल करोड़ों रुपये की आय होती है। धोनी का रांची में एक होटल भी है। इसका नाम होटल माही रेजीडेंसी है। इसके अलावा धोनी ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के साथ मिलकर बैंगलोर में एक एमएस धोनी ग्लोबल स्कूल भी खोला है। इस स्कूल में बीबीएसई पाठ्यक्रम से पढ़ाई होती है। यहां विशेषज्ञों की सलाह और उनके मार्गदर्शन पर ही पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है। धोनी ने कई जगह निवेश भी किया है। उन्होंने बेवरेज ब्रांड सेवन इंक ब्रियू में भी निवेश किया है। इसके अलावा उनका पैसा चॉकलेट की कंपनी में भी लगा है। ये कॉप्टर 7 नाम से बाजार में चॉकलेट बेचती है। कुल मिलाकर देखा जाये तो धोनी से खेल से हुई कमाई का निवेश कई क्षेत्रों में किया है। जिसके कारण उनकी कमाई लगातार बढ़ती जा रही है।

संगकारा ने अश्विन को महानतम स्पिनरों में से एक बताया

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा अब तक आईपीएल में उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने वाले अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के बचाव में उतरे हैं। संगकारा ने कहा कि मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खराब

प्रदर्शन के बाद रविचंद्रन अश्विन का समर्थन किया। संगकारा ने कहा, अश्विन खेल के महानतम स्पिनरों में से एक है, हर दिन अच्छा नहीं हो सकता और कभी-कभी आपका दिन खराब भी होता है। चीजें चलती रहती हैं, हम सीखते हैं और हम आगे बढ़ते हैं। वह एक भयंकर प्रतिस्पर्धी है, और मुझे भरोसा है कि वह सत्र में आगे आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाये। वह इस मैच में गेंदबाजी के दौरान संघर्ष करते दिखे। अपने चार ओवर के स्पेल में उन्होंने 10.00 40 रन दे दिए हालांकि उन्होंने दूसरी पारी के पहले भाग के दौरान दो ओवरों में सिर्फ 10 रन दिए पर इसके बाद उनके अगले दो ओवरों में वह प्रभावी नहीं दिखे और 30 रन दिए। इस सत्र में इससे पहले हुए मैचों भी अश्विन कुछ खास नहीं कर सके।

भारतीय हॉकी टीम टेस्ट श्रृंखला में लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलिया से हारी

पर्थ। (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अहम दौरे पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है जहां पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच में उसे 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ ही श्रृंखला में अपनी बढ़त को 4-0 कर लिया। मैच का परिणाम भारतीयों के पक्ष में नहीं रहा लेकिन टीम के प्रदर्शन के स्तर में काफी सुधार दिखा। मेजबान टीम हालांकि हर मामले में भारत से बेहतर साबित हुई। आकाशीय बिजली के कारण 40 मिनट देर से शुरू हुए मैच में सभी चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। भारत ने 12वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह की बदौलत बढ़त बना ली, लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वें, 47वें) और जैक वेल्च (54वें) के गोल ने ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में लगातार चौथी जीत दिला दी।

भारत शुरुआती टेस्ट में 1-5 से हार गया था, जबकि दूसरा और तीसरा टेस्ट क्रमशः 2-4 और 1-2 से हार गया था। मैच का शुरुआती क्वार्टर काफी प्रतिस्पर्धी रहा जहां दोनों टीमों ने एक दूसरे के खिलाफ गोल के कई मौके बनाये। मनदीप सिंह ने मैच पहले मिनट में ही भारत के लिए मौका बनाया। हरमनप्रीत सिंह के पास पर सर्कल

के पास से किये गये उनके प्रहार को ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर ने बचा लिया। ऑस्ट्रेलिया ने जवाबी हमला करते हुए दूसरे मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन अनुभवी भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार बचाव से उनका दोनों प्रयास विफल हो गया।

भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में मिडफील्ड का चतुराई से उपयोग कर गोल करने के मौके बनाये। भारत को 10वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन जुगराज सिंह मौके को भुनाने में नाकाम रहे। इसके एक मिनट बाद, ऑस्ट्रेलिया को तीसरा और चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारतीयों ने मजबूती से बचाव किया। भारत ने 12वें मिनट में हरमनप्रीत के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय कप्तान ने टीम के दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर गोलकीपर के बायीं ओर से जोरदार फ्लिक से गोल किया। एक गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की।

मैच के 19वें मिनट में हेवर्ड ने टीम को पांचवें पेनल्टी कॉर्नर पर बढ़त दिला दी। इसके तुरंत बाद भारत के पास बढ़त बनाने का मौका था लेकिन राजकुमार पाल का रिवर्स हिट गोलपोस्ट से टकराकर दूर चला गया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके कुछ समय के बाद छठा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन रिजर्व गोलकीपर सूरज करकेरा ने कमाल का बचाव किया। शुरुआती हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा लेकिन मध्यांतर के बाद ऑस्ट्रेलिया ने मैच पर दबदबा बनाना शुरू कर दिया। भारत ने भी इस दौरान तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया को माकूल जवाब दिया। आखिरी क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये इसमें से हेवर्ड ने दूसरे प्रयास को गोल को बदल की टीम को बढ़त दिला दी।

हेवर्ड के तेज प्रहार को कृष्ण बहादुर की जगह टीम में शामिल हुए करकेरा रोकने में विफल रहे। बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने और आक्रामक खेल शुरू किया। इस दौरान अगले छह मिनट में टीम ने तीन और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये। वेल्च ने 54वें मिनट में गोल कर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 3-1 कर दिया। भारत ने भी आखिरी चार मिनट में तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन टीम ने सभी मौकों को जाया कर दिया। श्रृंखला का आखिरी टेस्ट शनिवार को खेला जायेगा।

अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों के पास ही रही है सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी

नई दिल्ली । पैट कमिंस की कप्तानी में आईपीएल 2024 में खेल रही सनराइजर्स हैदराबाद की कमान अधिक अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों के हाथों में रही है। इस टीम ने पिछले 12 साल में 10 कप्तान बदले हैं। इसमें से 7 विदेशी खिलाड़ी रहे हैं। साल 2016 में डेविड वार्नर की कप्तानी में खिताब विजेता रही इस टीम ने अलग-अलग समय पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाड़ियों को कप्तान बनाया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में पहली बार 2013 में उतरी थी। इसके पहले ये टीम डेक्कन चार्जर्स के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2012 में टीम को सन समूह ने खरीद लिया। इस समूह ने इसके बाद टीम का नाम बदल लिया। तब श्रीलंका के कुमार संगकारा कप्तान थे। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने साल 2013 से 2024 के बीच 10 खिलाड़ियों को कप्तान के तौर पर रखा है। इनमें कुमार संगकारा, कैमरून वॉइट, शिखर धवन, डैरेन सैमी, डेविड वॉर्नर, केन विलियम्सन, भुवनेश्वर कुमार, मनीष पांडे, एडेन मार्करम और पैट कमिंस आदि हैं। इससे साफ है कि शिखर धवन को छोड़ दिया जाए तो सनराइजर्स हैदराबाद ने किसी भी भारतीय खिलाड़ी को अपनी टीम का नियमित कप्तान नहीं बनाया। शिखर ने 2013-14 में 16 मैचों की कप्तानी की, जिनमें से 7 में जीत मिली और 9 में हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स ने इस सत्र में अपने 5 में से 3 मैच जीते हैं। सनराइजर्स ने अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को हराया था। इस जीत के साथ ही अब वह 4 टीमों में शामिल हो गई है, जिन्होंने लीग में 3-3 मैच जीते हैं। लीग में सबसे अधिक 4 मैच राजस्थान रॉयल्स ने जीते हैं।

विनेश ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर ओलंपिक जाने से रोकने का आरोप लगाया, महासंघ ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनके सहयोगी स्टाफ को मान्यता पत्र जारी नहीं करके उन्हें हर हालत में ओलंपिक खेलने से रोकना चाहता है जबकि महासंघ का दावा है कि समय सीमा खत्म होने के बाद उसने आवेदन किया था। विनेश ने अपने खिलाफ डोपिंग की साजिश रचे जाने की भी आशंका जताई।

29 वर्ष की विनेश ने 2019 और 2022 विश्व चैम्पियनशिप में 53 किलो में कांस्य और 2018 एशियाई खेलों में 50 किलो में स्वर्ण पदक जीता था। वह अगले सप्ताह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाले एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिये 50 किलो में ओलंपिक कोटा हासिल करना चाहती है। पटियाला में चयन ट्रायल में उन्होंने 53 किलो में भी भाग लिया था लेकिन सेमीफाइनल में हार गई थी।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने कहा कि कोच और फिजियो को मान्यता पत्र जारी करने के लिए विनेश का ईमेल 18 मार्च को मिला लेकिन तब तक युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को खिलाड़ियों, कोचों और मेडिकल स्टाफ की सूची भेजी जा चुकी थी। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 11 मार्च थी। एक अधिकारी ने कहा कि महासंघ ने 15 मार्च को प्रविष्टियां भेजी क्योंकि यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने उसके अनुरोध पर कुछ दिन की रियायत दी थी। यह रियायत इसलिए मांगी गई थी क्योंकि समय सीमा खत्म होने के आखिरी दिन ही ट्रायल पूरे हुए थे।

विनेश ने एक्स पर लंबी पोस्ट में लिखा, 'बृजभूषण और उसके द्वारा बिठाया गया डमी संजय सिंह हर तरीके से प्रयास कर रहे हैं कि कैसे मुझे ओलंपिक में खेलने से रोका जा सके। जो टीम के साथ कोच लगाए गए हैं, वे सभी बृजभूषण और उसकी टीम के चहेते हैं तो इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि वो मेरे मैच के दौरान मेरे पानी में कुछ मिला कर पिला दें।'

उन्होंने कहा, 'अगर मैं ऐसा कहूं कि मुझे डोप में फंसाने की साजिश हो सकती है तो गलत नहीं होगा। हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। इतनी महत्वपूर्ण स्पर्धा से पहले हमारे साथ ऐसे मानसिक उत्पीड़न कहां तक जायज है।' विनेश ने कहा, '19 अप्रैल को एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर शुरू हो रहा है। मैं लगातार एक महीने से भारत सरकार (साइ, टॉप्स) सभी से मेरे कोच और फिजियो की मान्यता के लिये अनुरोध कर रही हूं। मान्यता पत्र के बिना मेरे कोच और फिजियो प्रतिस्पर्धा परिसर में मेरे साथ नहीं जा सकते लेकिन बारंबार अनुरोध के बावजूद ठोस जवाब नहीं मिल रहा है। कोई भी मदद को तैयार नहीं है। क्या हमेशा ऐसे ही खिलाड़ियों के भविष्य के साथ खेला जाता रहेगा।'

डब्ल्यूएफआई के एक अधिकारी ने कहा कि विनेश के निजी कोच और फिजियो के साथ जाने में उन्हें कोई ऐतराज नहीं है लेकिन प्रविष्टियां भेजने की समय सीमा निकल जाने के कारण अब उसे यूडब्ल्यूडब्ल्यू से खुद मान्यता पत्र लेना होगा। उन्होंने कहा, 'उसका ई मेल तदर्थ समिति और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के सीईओ के ध्यानार्थ है हालांकि महासंघ को भी मार्क किया गया है। उसने 18 मार्च को आवेदन भेजा था लेकिन तब तक सहयोगी स्टाफ का रजिस्ट्रेशन हो चुका था।'

उन्होंने कहा, 'हमें मंत्रालय या साइ से कोई निर्देश नहीं मिला कि विनेश के निजी कोच का नाम भी सूची में जोड़ा जाए। हम कोशिश कर सकते थे बशर्ते ऐसे निर्देश होते। हम दस खिलाड़ियों के साथ तीन कोच भेज सकते हैं। नौ कोच पहले ही से बिश्केक में एशियाई चैम्पियनशिप के लिए हैं और ये ही एशियाई क्वालीफायर के लिए भी रूकेंगे जिसमें पांच महिला पहलवान ही भाग ले रही हैं। क्या पांच

पहलवानों के लिए तीन कोच काफी नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'अतिरिक्त कोच की क्या जरूरत है। विनेश को निजी कोच चाहिए तो वह यूडब्ल्यूडब्ल्यू से मान्यता ले सकती है। हमें कोई ऐतराज नहीं है।' डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने कहा कि विश्व चैम्पियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया ने भी निजी कोच ले जाने का अनुरोध किया था। इसी तरह ग्रीको रोमन कोच अनिल पंडित के लिए भी अनुरोध मिला था। उन्होंने कहा, 'उन्होंने भी ऐसे ही ईमेल भेजे थे लेकिन हमें सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ विनेश को निशाना बनाया जा रहा है। हमारे लिए सभी एक समान हैं।'

विनेश देश के उन तीन शीर्ष पहलवानों में से है जिन्होंने डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर प्रदर्शन की अगुवाई की थी। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ मामला दर्ज की लेकिन जुलाई में स्थानीय अदालत से उन्हें जमानत मिल गई। विनेश ने लिखा, 'क्या अब देश के लिए खेलने जाने से पहले भी हमारे साथ राजनीति होगी क्योंकि हमने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई। क्या हमारे देश में गलत के खिलाफ आवाज उठाने की यही सजा है। उम्मीद है कि देश के लिए खेलने जाने से पहले तो हमें न्याय मिलेगा।'

धाविका ज्योति को प्रशिक्षण के लिए स्पेन भेजेगा खेल मंत्रालय

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय धाविका ज्योति याराजी सहित कई खिलाड़ियों को आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसी के तहत ही मंत्रालय ने ज्योति को स्पेन भेजे जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। ज्योति ने इससे पहले हुए हांगझोउ एशियाड में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) के अनुसार यह एथलीट डेढ़ माह के लिए स्पेन जाकर अभ्यास करेंगी।

इस दौरान सरकार उनके सभी प्रकार के खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसमें आने-जाने के किराये के साथ ही रहने ओर स्थानीय परिवहन के अलावा अन्य सभी प्रकार के खर्च भी शामिल रहेंगे, इस दौरान उन्हें हर दिन के हिसाब से भत्ता भी दिया जाएगा। ज्योति के अलावा एमओसी ने बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पेरिस ओलंपिक से पहले अभ्यास के लिए जोड़ीदार को लेकर एक वित्तीय सहायता का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया है। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज दोनों ही जून में मुंबई में स्कॉटलैंड के एलेक्जैंडर डुन और एडम हाल तथा इसके बाद जुलाई में इंडोनेशिया के रेन एगुंग और बेरी एग्रियावान के साथ हैदराबाद में अभ्यास करेंगे। एमओसी ने निशानेबाज रेजा ढिल्लों और राजेश्वरी कुमार के विदेश में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को भी मंजूर कर दिया। रेजा अपने व्यक्तिगत कोच के साथ जबकि राजेश्वरी कोच डेविड कोस्टेलेकी के साथ इटली में ट्रेनिंग करेंगी।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने सूरत डिस्ट्रिक्ट एयर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता-2024 में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर स्कूल को गौरवान्वित किया

सूरत।

सूरत शूटिंग एसोसिएशन ने 16 मार्च और 18 मार्च को सूरत डिस्ट्रिक्ट एयर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता-2024 का आयोजन किया, जिसमें द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के कुल 25 छात्रों ने भाग लिया।

जिसमें वाला दृष्टि उदेशनभाई ने 130 अंक के साथ स्वर्ण पदक और प्रथम रैंक प्राप्त की, और पटेल उन्नति, चौधरी नरोत्तम, मारू जानवी इस छात्र ने 114 अंक के साथ रजत पदक और द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

खुशी की बात यह है कि स्कूल ने स्वर्ण और रजत पदक जीतने के बाद कांस्य पदक में भी तीसरा स्थान हासिल किया, जिसमें स्कूल के 4 छात्रों ने 109 अंक हासिल किए, जिसमें कुल 4 छात्र पिहाना मांगूकिया, किआ मयानी, कृष्णा ठक्कर, इमाफकल माली ने कांस्य पदक हासिल किया

कुल मिलाकर विद्यालय के 25 विद्यार्थियों में से 8 विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहकर विद्यालय एवं सूरत जिले का नाम रोशन किया। इस सफलता का श्रेय छात्रों और उनके प्रशिक्षकों द्वारा स्कूल में संचालित "राइफल शूटिंग" गतिविधि को दिया गया।

सूरत शहर की एयर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता का यह पहला आयोजन होगा जिसमें एक ही स्कूल को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए गए। उन्होंने प्रिंसिपल और शूटिंग कोच सहित स्कूल परिवार और ट्रस्टियों को बधाई दी।

अभिभावकों ने इस गतिविधि के लिए विद्यालय परिवार एवं विद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष में शुक्रवार को शाम तीन बजे से च्तेरे ही गुण गायें भवानीज भजन संध्या का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के वृंदावन हॉल में किया गया। कार्यक्रम में सुरभि बिरजुका द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। फूलों से शृंगारित माँ के दरबार के समक्ष महिला शाखा के सदस्यों ने नाच-गाकर चुनरी उत्सव मनाया। इस मौक़े पर महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोड़िया, सोनिया, दीपाली, सीमा, सरोज, आरती सहित अनेकों महिलाएँ उपस्थित रहीं।

फोनपे ने फेवा नव वर्ष महोत्सव में यूपीआई पुश के लिए ईसेवा और नेपाल पोखरा होटल एसोसिएशन के साथ साझेदारी की

फोनपे ने आज घोषणा की है कि वह Fonepay नेटवर्क पर यूपीआई को लोकप्रिय बनाने के लिए ईसेवा (e-Sewa) और होटल एसोसिएशन ऑफ नेपाल (HAN) पोखरा के साथ साझेदारी की है जो कि फेवा नव वर्ष महोत्सव का हिस्सा है। यह महोत्सव 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। नव वर्ष का यह उत्सव न केवल पूरे नेपाल के नागरिकों के बीच लोकप्रिय है, बल्कि उन भारतीय पर्यटकों के बीच भी काफी लोकप्रिय है जो नेपाल की यात्रा करते हैं और उत्सवों का आनंद लेते हैं। पारंपरिक नेपाली व्यंजन और अंतरराष्ट्रीय व्यंजन परोसने वाले फूड स्टॉलों, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के लाइव संगीत प्रदर्शन, पारंपरिक नेपाली नृत्यों और संगीत सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों एवं वर्कशॉप के साथ, यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम नेपाली संस्कृति और स्थानीय पाक कला के बेहतरीन अनुभव का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

साझेदारी पर बोलते हुए, फोनपे के CEO इंटरनेशनल पेमेंट, रितेश पई कहते हैं, कि , "हम ईसेवा (eSewa) और नेपाल के होटलियर्स एसोसिएशन के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं, इससे फेवा नव वर्ष महोत्सव में यूपीआई को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। नेपाल में हर साल कई भारतीय विज़िटर, इस खूबसूरत जगह के संगीत, भोजन और संस्कृति का अनुभव करने आते हैं। हम नेपाल में Fonepay नेटवर्क पर यूपीआई के उपयोग के लिए मर्चेंट शिक्षा और जागरूकता पैदा करने पर ध्यान देंगे। यह साझेदारी नेपाल के डिजिटल लैंडस्केप में क्रांति लाएगी, और फोनपे ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी लोकेशन पर आसानी से लेनदेन कर सकेंगे।"

यदि बच्चे को महान बनाना है शैतान नहीं तो माता-पिता को बच्चे को संपत्ति ही नहीं समय भी देना चाहिए, घृणा नहीं प्रेम भी देना चाहिए, सुविधाएं ही नहीं संस्कार भी देने चाहिए: आचार्य जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराजा

सुरत भुमि, सूरत। श्री अठवालाइन्स जैन संघ के परिसर में प्रवचन प्रभावक पूज्य पाद आचार्य देव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज, पू.पं. विमलहंस वि.म. साहेब की निश्रा में धर्मसभा का अच्छे से आयोजन किया गया। वहां पूज्य श्री ने बताया कि आज विश्व की सबसे बड़ी आवश्यकता बच्चों को संस्कार देने की है यदि आप अपने बच्चे को संस्कार नहीं दे सकते तो आपका भविष्य बहुत ही खतरनाक है। आजकल के माता-पिता जब छोटे होते हैं तो अपनी ही दुनिया में रहते हैं और बच्चे को मोबाइल फोन पर निर्भर छोड़ देते हैं। शादी के 10-12 साल बाद बच्चे पर ध्यान नहीं देता और जब बेटे के कुलक्षण सामने आने लगते हैं तो उनकी आंखें खुलती हैं और फिर उसे सही रास्ते पर लाने की कोशिशें शुरू हो जाती हैं। लेकिन फिर बुरे दोस्तों के कारण बच्चे का दिमाग इतना खराब हो जाता है कि उसे ठीक करने की कोई संभावना नहीं रहती और फिर बेटे को रोज रोज टोकने लगता हैं।

अनन्त पुण्य एकत्रित होने पर जीव को मनुष्य योनि मिलती है और वह आर्य देश में जन्म लेता है। अब आपके घर में जन्मे ऐसे महान मेधावी बालक को हम कौन से संस्कार देते हैं जिससे उसे बार-बार मनुष्य योनि और आर्य कुल की प्राप्ति होती है। वहां वह साधना के माध्यम से मोक्ष के मार्ग पर जा सकता है? जवाब है ना; इसके विपरीत, आज के माता-पिता बच्चे के शरीर की ही चिंता करते हैं और उसे भविष्य में सुखी बनाने का प्रयास करते हैं, परंतु उसकी आत्मा और परलोक की चिंता नहीं करते। जन्म से ही बच्चे को 1) समय दें, सिर्फ धन नहीं 2) प्यार दें, नफरत नहीं 3) संस्कार दें, सिर्फ सुविधा नहीं। फिर देखना वह बच्चा शिवाजी महाराजा-महाराणा प्रताप-चंद्रशेखर आजाद-संप्रति महाराजा बने बिना नहीं रहेगा।

अहमदाबाद के इतिहास में पहली बार 35 जैन दीक्षाओं का विक्रमसर्जक वीरव्रतोत्सव

अमदाबाद। जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के2,550 वर्ष के उत्सव के हिस्से के रूप में35 मुमुक्षु 22 अप्रैल 2024 के शुभ दिन पर संसार त्याग कर भगवान महावीर के पंथ के उपर विजय प्रस्थान करने जा रहे हैं। जैन शासन की राजधानी के समान अहमदाबाद शहर के इतिहास में कभी न घटी हो एसी एक अजबगजब की घटना 22 अप्रैल को घटित होने जा रही है। विक्रम संवत 2080 के चैत्र सुद 14 के भोर में रिवर फ्रन्ट पर बनी भव्य, दिव्य और सुंदर अध्यात्म नगरी में दीक्षा के महानायक परम पूज्य आचार्यदेवश्रीविजय योगतिलकसूरीश्वरजी महाराजा के हाथों से 11 वर्ष के बालक से लेकर 56 वर्ष के प्रौढ आयु के 35 मुमुक्षुओं संसार का त्याग करके प्रभु वीर की राहपर प्रस्थान करनेवाले है। इन मुमुक्षुओं के महाभिनिष्क्रमण के अवसर पर पांच दिवसीय भव्य महोत्सव का शुभारंभ 18 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुनिया भर से लगभग एक लाख धर्मनिष्ठ जैनियों के उपस्थित होने की उम्मीद है। पूज्य गुरु भगवंत सहित 400 श्रमण-श्रमणी भगवंतों के भव्य नगर प्रवेश पर स्वागत यात्रादिनांक 18अप्रैल की सुबह बड़ी धूमधाम से आयोजित की गई है। दीक्षा लेने वाले 35 मुमुक्षुओं का भव्य वर्षीदान का वरघोडा दिनांक21 अप्रैल की सुबह निकाला जाएगा, जिसकी लंबाई करीब 1 किमी होगी।

अहमदाबाद में दीक्षा लेने वाले 35 मुमुक्षुओं में से पांच परिवार ऐसे हैं जिनकी दीक्षा के साथ ही उनके घरों में ताला लग जायेगा और पूरा परिवार भगवान वीर की राह पर चलेगा।

(1) सूरत में रहने वाले संजयभाई माणिकचंद सादरिया कपड़ा बाजार के बड़े व्यापारी हैं। उनके बेटे और बेटी ने साल 2021 में दीक्षा ली थी। अब जब संजयभाई और उनकी श्राविका बीनाबेन भी दीक्षा लेंगे तो पूरा परिवार घर छोड़कर उपाश्रय में रहेगा।

(2) मुंबई में रहने वाले कपड़ा व्यापारी जशवंतभाई शांतिलाल शाह और उनकी श्राविका दीपिकाबेन अहमदाबाद में दीक्षा लेने जा रहे हैं। उनके दोनों जुड़वाँ बेटे पहले ही दीक्षा ले चुके हैं और भगवान श्री महावीर के मार्ग पर चलना शुरू कर चुके हैं।

(3) जशवंतभाई के छोटे भाई मुकेशभाई के परिवार मेंश्राविका मोनिकाबहन के अलावा एक बेटा हित और एक बेटी कृषा हैं। अब पूरा परिवार सबकुछ छोड़कर दीक्षा ले रहा है।

(4) सूरत में रहते हुए जगदीशभाई महासुखलाल शाह और उनकी श्राविका शिल्पा दीक्षा लेंगे। उनका इकलौता बेटा 2021 में दीक्षा ले चुका है।

(5) अहमदाबाद में रहने वाले भावेशभाई गिरीशभाई भंडारी का रियल एस्टेट का बड़ा कारोबार है। वह अपनी श्राविका जिनलबहन के साथ दीक्षा लेने वाले हैं। उनके बेटे और बेटी ने 2021 में सूरत में दीक्षा ली। भावेशभाई 35 दीक्षा के अवसर पर अहमदाबाद में रहने वाले 40,000 जैन परिवारों को मिठाइयाँ बाँट रहे हैं।

दीक्षा लेने वाला प्रत्येक मुमुक्षु विशेष प्रतिभा का स्वामी होता है। मुंबई स्थित हीनलकुमारी संजयभाई जैन के पास डिजिटल मार्केटिंग में मास्टर डिग्री है। दीक्षा लेने के बाद हीनलकुमारी मोबाइल या लैपटॉप जैसे किसी भी उपकरण को हाथ भी नहीं लगाएंगी। वह सांसारिक डिजिटल मार्केटिंग को त्यागकर भगवान महावीर देव के आध्यात्मिक मार्ग की मार्केटिंग करेंगे।

अहमदाबाद के रहने वाले मुकेश भाई ने 12वीं कक्षा पूरे सिरोही जिले में प्रथम रैंक से पास की। अब वह गुरु वेयावच्च में प्रथम पद के लिए पुरुषार्थ करेंगे। सूरत में रहने वाले भव्यभाई का हर महीने श्री गिरनार तीर्थ के दर्शन करने का नियम है। जिस महीने में श्री गिरनार की यात्रा नहीं होती, उस महीने में वे मीठे से परहेज़ रखते हैं। गिरनार तीर्थ के अधिनायक श्री नेमिनाथ प्रभु की तरह, वह शादी करने से पहले दीक्षा ले रहे हैं।

सूरत में रहने वाले देवेश नंदीषेणभाई रातड़िया एक मंत्रमुग्ध गायक और सात सूरों की सरगम के साथ वीतराग परमात्मा की भक्ति के प्रतिभाशाली संगीतकार हैं। वे दीक्षा आयोजनों में दीक्षार्थियों की अनुमोदना के गीत गाते हुए वैराग्य का रंग धारण कर दीक्षा लेने जा रहे हैं।

अहमदाबाद में रहने वाले 18 साल के हित मुकेशभाई शाह को क्रिकेट का बहुत शौक था। हर बार वर्ल्ड कप देखे बिना उन्हें चैन नहीं मिलता था। इस बार हित ने वर्ल्ड कप तो नहीं देखा लेकिन दीक्षा के बाद वह कभी किसी से क्रिकेट स्कोर तक नहीं पूछेंगे। सूरत में रहने वाले 13 वर्षीय हेत मयूरभाई शाह ने छोटी उम्र में ही जैन धर्म के पांच प्रतिक्रमण, चार प्रकरण, तीन भाष्य, तीन कर्म ग्रंथ, योग शास्त्र, अलंकार शास्त्र आदि सूत्रों का गहन अध्ययन किया है। उन्हें जैन धर्म के लगभग 3,500 श्लोक कंठस्थ हैं।

परम पूज्य आचार्य भगवंत से दीक्षा लेने वाले 35 मुमुक्षुओं में से 10 मुमुक्षु 18 वर्ष से कम आयु के हैं। वे अपने माता-पिता की सहमति से दीक्षा ले रहे हैं।

आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल ने 25वां "स्टाइल अप" स्टोर लॉन्च किया

सूरत। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) के अग्रणी युवा शॉपिंग डेस्टिनेशन 'स्टाइल अप' ने सूरत में वराछा रोड पर न्यू मिलेनियम बिजनेस हब में स्थित अपने दूसरे स्टोर का उद्घाटन किया है।

6614 वर्ग फीट में फैला, यह नया 'स्टाइल अप' स्टोर ट्रेंड-सेटिंग परिधान और सहायक उपकरण की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो कम बजट में नवीनतम शैलियों से मेल खाने वाले समझदार युवा ग्राहकों के लिए एक अद्वितीय खरीदारी अनुभव भी प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, पैंटालून, स्टाइल अप और मैरीगोल्ड लेन की सीईओ सुश्री संगीता ने कहा, "सूरत में हमारे दूसरे स्टोर के अनावरण के साथ, अब हम गर्व से पूरे भारत में 25 'स्टाइल अप' स्टोरों की गिनती करते हैं, जो लोगों की जरूरतों को पूरा करते हैं। परवत पाटिया में हमारा पहला स्टोर पहले दिन से ही सफल रहा है और हमें उम्मीद है कि हमारे दूसरे स्टोर को भी ग्राहकों से इसी तरह की प्रतिक्रिया मिलेगी।

'स्टाइल अप' में हमारा मानना है कि जेन-जेड और जेन अल्फा ने ड्रेसिंग को अगले स्तर पर ले

लिया है: वे स्टाइल को किसी और की तरह परिभाषित नहीं करते हैं। ट्रेंड-संचालित डिज़ाइन, कम कीमत, अद्वितीय गुणवत्ता और विश्व स्तरीय स्टोर अनुभव के साथ, हम उनकी यात्रा को अगले स्तर तक ले जाने के लिए तत्पर हैं।

स्टोर का पता: ग्राउंड और पहली मंजिल, मिलेनियम बिजनेस हब, सरथाना जकातनाका के पास, वराछा मेन रोड, सूरत

सैमसंग ने 2024 क्रिस्टल 4K विविड, क्रिस्टल 4K विजन प्रो और क्रिस्टल 4K विविड प्रो टीवी श्रृंखला लॉन्च की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने क्रिस्टल 4K विविड, क्रिस्टल 4च विजन प्रो और क्रिस्टल 4K विविड प्रो टीवी श्रृंखला लॉन्च की है। रोमांचक कैशबैक ऑफर और 18 महीने तक 'नो कॉस्ट ईएमआई' के साथ शुरुआती कीमत रु. 32990 शुरू होता है। 2024 क्रिस्टल 4K टीवी लाइन-अप 4K अपस्केलिंग, सोलरसेल रिमोट, मल्टी वॉयस असिस्टेंट, क्यू-सिम्फनी और क्रिस्टल प्रोसेसर 4K के साथ उपलब्ध है।

क्रिस्टल 4K विविड, क्रिस्टल 4K विजन प्रो और क्रिस्टल 4K विविड प्रो टीवी श्रृंखला ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और Samsung.com पर 43-इंच, 50-इंच, 55-इंच, 65-इंच और 75-इंच स्क्रीन आकार में उपलब्ध होगी।

सैमसंग इंडिया के विज़ुअल डिस्प्ले बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहनदीप सिंह ने कहा, "युवा उपभोक्ता आज ऐसे स्मार्ट टीवी चाहते हैं जो जीवंत तस्वीर गुणवत्ता और उच्च सुरक्षा सुविधाओं के साथ गहन ऑडियो अनुभव प्रदान करें। 2024 क्रिस्टल 4K टीवी श्रृंखला स्मार्ट और कनेक्टेड जीवन को ध्यान में रखते हुए सर्वश्रेष्ठ टीवी देखने का अनुभव प्रदान करके समकालीन घरों के लिए मानक स्थापित करती है। इन ग्राहकों को क्यू-सिम्फनी भी मिलती है, जो टीवी स्पीकर को म्यूट किए बिना बेहतर सराउंड इफेक्ट के लिए टीवी और साउंडबार स्पीकर को एक साथ संचालित करने की अनुमति देती है।

2024 क्रिस्टल 4K टीवी सीरीज़ सैमसंग टीवी प्लस और कैलम ऑनबोर्डिंग के साथ बिल्ट-इन IoT हब जैसी सुविधाओं के साथ आती है। बिल्ट-इन मल्टी-वॉयस असिस्टेंट ग्राहकों को बिक्सबी या अमेज़ॅन एलेक्सा का उपयोग करके कनेक्टेड होम अनुभव का आनंद लेने की अनुमति देता है।

2024 क्रिस्टल 4K टीवी श्रृंखला एक 4K अपस्केलिंग सुविधा द्वारा संचालित है जो 4K डिस्प्ले के उच्च रिज़ॉल्यूशन से मेल खाने के लिए कम रिज़ॉल्यूशन सामग्री की गुणवत्ता को बढ़ाती है और बढ़ाती है, जो जीवंत 4K चित्र गुणवत्ता प्रदान करती है। क्रिस्टल प्रोसेसर 4K और HDR10+ के साथ वन बिलियन ट्रू कलर्स प्योर कूलर अब उपभोक्ताओं को गहरे अंधेरे और चमकदार रोशनी के साथ बेहतर अनुभव प्रदान करता है।

वास्तव में गहन सामग्री देखने के अनुभव के लिए, क्रिस्टल 4K टीवी श्रृंखला में ओटीएस लाइट की सुविधा है जो उपभोक्ताओं को स्क्रीन पर गति का यथार्थवादी अनुभव प्रदान करने के लिए दो वर्चुअल स्पीकर के साथ 3डी सराउंड साउंड बनाता है। एडेप्टिव साउंड वास्तविक समय में दृश्य द्वारा सभी सामग्री चित्र का विश्लेषण करके सर्वोत्तम आवाज अनुभव प्रदान करता है, इसे अधिक गतिशील बनाता है और वांछित प्रभावों को बढ़ाता है।

इसके अलावा, स्क्रीन डिज़ाइन पूरी तरह से तल्लीनतापूर्ण देखने का अनुभव प्रदान करने के लिए एकदम सही है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)